दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-23 अंक-80 सीहोर, मंगलवार 12 मई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

बंगाल चुनाव हार पर टीएमसी का नया दावा: एसआईआर के कारण गई 31 सीटें

अदालत ने दिया अलग याचिका का सुझाव

नई दिल्ली (ए.)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद सत्ता से बाहर हुई तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने सुप्रीम कोर्ट में नतीजों को लेकर एक नया दावा पेश किया है। ममता की पार्टी ने सोमवार को एसआईआर (स्ट्राइक-आउट, इनएलिजिबल और रिजेक्टेड) से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि इसी प्रक्रिया के चलते 31 सीटों पर चुनाव परिणाम प्रभावित हुआ और पार्टी को हार का सामना करना पड़ा।सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान बंगाल सरकार के लिए पैरवी कर रहे वरिष्ठ वकील कल्याण बनर्जी ने सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष अपनी दलील में कहा कि इन 31 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का अंतर एसआईआर में हटाए गए मतदाताओं की संख्या से भी कम है। उन्होंने कहा कि यदि एसआईआर के कारण मतदाताओं का नाम सूची से नहीं हटाया जाता, तब इन सीटों का परिणाम निश्चित रूप से कुछ और हो सकता था और इससे चुनाव का रुख बदल सकता था। ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि कई सीटें ऐसी भी हैं, जहां कटे हुए वोटों की संख्या और जीत का अंतर करीब बराबर है। उन्होंने कहा कि एक सीट पर, तब तृणमूल कांग्रेस का उम्मीदवार मात्र 862 वोटों से हार गया, जबकि उसी सीट पर एसआईआर प्रक्रिया के तहत 5432 वोट हटा दिए गए थे। तृणमूल कांग्रेस का कहना है कि राज्य के चुनाव में भाजपा और टीएमसी के बीच कुल 32 लाख वोटों का अंतर रहा है, जबकि वोटर सूची से नाम हटाने संबंधी 35 लाख अपीलें फिलहाल विभिन्न न्यायाधिकरणों (ट्राइब्यूनल्स) के समक्ष लंबित हैं, जिन पर अभी फैसला आना बाकी है। ममता के वकील ने इस दौरान जस्टिस जॉयमाल्या बागची की एक पुरानी टिप्पणी का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि डिलीट हुए वोटों की संख्या जीत के अंतर से ज्यादा रहती है, तब इसतरह के मामलों का न्यायिक परीक्षण अवश्य किया जाना चाहिए।इन दलीलों पर सुनवाई कर चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की खंडपीठ ने टीएमसी को सलाह दी है कि वे इस मामले को लेकर अलग से याचिकाएं दाखिल कर सकते हैं।

केजरीवाल को बरी करने के आदेश के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर नहीं हो सकी सुनवाई

नई दिल्ली,(आरएनएस)। दिल्ली हाईकोर्ट में सोमवार को दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और 22 आरोपियों को ट्रायल कोर्ट से बरी करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई नहीं हो सकी. इस मामले की सुनवाई कर रही जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा शर्मा की बेंच सोमवार को नहीं बैठी, जिसकी वजह से सुनवाई नहीं हुई.इसके पहले 8 मई को जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने कहा था कि कोर्ट को अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक का प्रतिनिधित्व करने वालों की सहमति का इंतजार है. वहीं हाईकोर्ट ने 5 मई को कोर्ट की मदद करने के लिए तीन वकीलों को एमिकस क्यूरी नियुक्त करने का आदेश दिया था।

कोलकाता में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च-स्तरीय बैठक के दौरान पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी, कैबिनेट मंत्री दिलीप घोष और अग्निमित्रा पॉल, पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल तथा अन्य अधिकारी।

प्रदेश के समग्र विकास और जन-कल्याण के लिए 29 हजार 540 करोड़ रुपये से अधिक की स्वीकृति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में लिये गये निर्णय

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश के समग्र विकास और जन-कल्याण की दिशा में कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। प्रदेश में बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, सिंचाई सुविधाओं और सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न विकास कार्यों और योजनाओं के लिए 29 हजार 540 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। लोक वित्त पोषित कार्यक्रमों एवं योजनाओं के परीक्षण और अनुमोदन के लिए 15 हजार 598 करोड़ रुपये और शहरी व नगरीय मार्गों के कायाकल्प तथा सुदृढ़ीकरण के लिए 6,900 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। सामाजिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिये गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले वृद्धजनों की पेंशन के लिए 6 हजार 116 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसके अतिरिक्त चिकित्सा क्षेत्र के विस्तार के लिए बुदनी में एमबीबीएस, नर्सिंग और पैरामेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए 763.40 करोड़ रुपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी गई। साथ ही जिले की खुमानसिंह शिवाजी जलाशय सिंचाई परियोजना के लिए 163.95 करोड़ रुपये की स्वीकृति के साथ ही राज्य मंत्रियों के स्वेच्छानुदान की राशि को बढ़ाकर 25 हजार रुपये करने का निर्णय लिया गया हैं।

बुदनी में एमबीबीएस, नर्सिंग और पैरामेडिकल महाविद्यालय की स्थापना के लिए 763.40 करोड़ रुपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति

सीहोर (निप्र)। मंत्रि-परिषद द्वारा सीहोर के बुदनी में एमबीबीएस, नर्सिंग और पैरामेडिकल महाविद्यालय की स्थापना के लिए 714.91 करोड़ रूपये के स्थान पर 763.40 करोड़ रूपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। स्वीकृति अनुसार बुदनी में 100 एम.बी.बी.एस. सीट प्रवेश क्षमता के नवीन चिकित्सा महाविद्यालय तथा 500 सीटर संबद्ध अस्पताल स्थापित किया जाएगा। साथ ही नर्सिंग पाठ्यक्रमों के लिए 60 सीट प्रवेश क्षमता के नर्सिंग महाविद्यालय और पैरामेडिकल पाठ्क्रमों के लिए 60 सीट प्रवेश क्षमता के पैरामेडिकल महाविद्यालय की स्थापना भी की जायेगी।

नए लेबर कोड में अब नौकरी पर जब चाहे रखो और जब चाहे निकालो

-खड़गे ने केंद्र के लेबर कोड लागू करने को मजदूरों के अधिकारों को झटका बताया

नई दिल्ली,(ए.)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने देश में लागू हुए चार नए लेबर कोड पर आपत्ति जताते हुए इसे मजदूरों के हितों के लिए एक झटका बताया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने बिना किसी सलाह के चार नए लेबर कोड लागू कर दिए। खड़गे ने एक बयान में कहा कि मोदी सरकार विधानसभा चुनाव खत्म होने का इंतजार करती रही। इसके बाद 8 और 9 मई 2026 को गजट अधिसूचना जारी कर चार मजदूर-विरोधी श्रम संहिताओं को लागू कर दिया।भारत के करोड़ों मजदूरों के लिए ये संहिताएं हायर एंड फायर की नीति ला रही हैं यानी नौकरी पर जब चाहे रख लो और जब चाहे निकाल दो। साथ ही ठेका पर रोजगार बढ़ेगा और ट्रेड यूनियन बनाने की गुंजाइश भी बहुत कम हो जाएगी।

पश्चिम एशिया संकट: राजनाथ ने की मंत्रियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक

नई दिल्ली,(ए.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पश्चिम एशिया में उभरती स्थिति पर नज़र रखने के लिए गठित मंत्रियों के अनौपचारिक अधिकार प्राप्त समूह की बैठक की अध्यक्षता की। बता दें पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण कच्चे माल की कीमतों में आई तेजी के बीच एडहेसिव और निर्माण रसायन बनाने वाली कंपनी पिडिलाइट इंडस्ट्रीज कीमतों में एक और दौर की वृद्धि पर विचार कर रही है। कंपनी के प्रबंध निदेशक सुधांशु वत्स ने यह जानकारी दी।

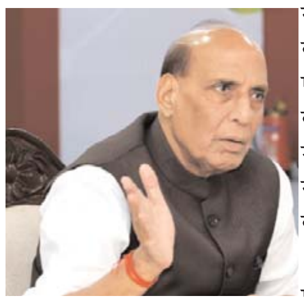

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फेविकोल, डॉ फिक्सिट, फेवीक्विक और एम-सील जैसे ब्रांड की मालिक कंपनी अप्रैल और मई में पहले ही दो बार कीमतें बढ़ा चुकी है। वत्स ने कंपनी के तिमाही नतीजों की घोषणा के बाद संवाददाताओं से कहा कि कंपनी के कच्चे माल की लागत, जो मुख्य रूप से कच्चे तेल से जुड़े उत्पादों पर आधारित है, पश्चिम एशिया संकट के कारण भारित औसत आधार पर 40-50 फीसदी तक बढ़ गई है।

प्रदेश में आंधी-बारिश का अलर्ट, कई शहरों में बढ़ेगी गर्मी, रतलाम सबसे गर्म

भोपाल(ए.)। मध्य प्रदेश में मौसम का मिजाज एक बार फिर बदला हुआ नजर आ रहा है। प्रदेश में सक्रिय दो टर्फ और एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन के असर से सोमवार को कई जिलों में आंधी और बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं दूसरी तरफ भोपाल, इंदौर और उज्जैन संभाग के कई इलाकों में तेज गर्मी लोगों को परेशान करेगी। मौसम विभाग के अनुसार बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी और अनूपपुर जिलों में 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने के साथ बारिश हो सकती है। विभाग ने इन जिलों के लिए अलर्ट जारी किया है। रविवार को भी प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम बदला रहा। इंदौर, भोपाल, नर्मदापुरम, सागर, जबलपुर और शहडोल संभाग के करीब 18 जिलों में कहीं बादल छाए रहे तो कहीं हल्की बूंदाबांदी देखने को मिली।सोमवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, रतलाम, राजगढ़, नीमच, मंदसौर, छतरपुर, भिंड,

मुरैना, श्योपुर, दतिया, शिवपुरी, अशोकनगर और शाजापुर में तेज गर्मी का असर बना रहेगा। प्रदेश में रविवार को कई शहरों में तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया। रतलाम में इस सीजन में पहली बार पारा 45.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। लगातार दूसरे दिन यहां प्रदेश का सबसे अधिक तापमान रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा शाजापुर में 44 डिग्री, धार में 42.4 डिग्री, खंडवा में 42.1 डिग्री और नर्मदापुरम में 42 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। रायसेन, नरसिंहपुर, सागर और गुना में भी पारा 40 डिग्री से ऊपर रहा।प्रदेश के पांच बड़े शहरों में उज्जैन सबसे गर्म रहा, जहां तापमान 42.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। भोपाल में 40.4 डिग्री, इंदौर में 41.9 डिग्री, ग्वालियर में 38.4 डिग्री और जबलपुर में 38.9 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने 12 मई से प्रदेश में हीट वेव यानी लू चलने का अलर्ट जारी किया है। खासतौर पर इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में गर्म हवाओं का असर ज्यादा देखने को मिल सकता है।प्रदेश में 30 अप्रैल से शुरू हुआ आंधी-बारिश का दौर 10 मई तक जारी रहा। इस दौरान कभी वेस्टर्न डिस्टरबेंस तो कभी चक्रवात और टर्फ सिस्टम के कारण मौसम में बदलाव देखने को मिला। गर्मी को देखते हुए मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। दिनभर पर्याप्त पानी पीने, शरीर को हाइड्रेट रखने और दोपहर की तेज धूप से बचने की अपील की गई है।

एक जुलाई से लागू होगा 'वीबी-जी राम जी' अधिनियम, मिलेगी 125 दिन रोजगार की गारंटी

नई दिल्ली, (ए.) । केंद्र सरकार ने ग्रामीण विकास एवं रोजगार को नई दिशा देने के उद्देश्य से 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)' यानी वीबी-जी राम जी अधिनियम-2025 के क्रियान्वयन की अधिसूचना जारी कर दी। यह नया कानून एक जुलाई 2026 से देशभर के ग्रामीण क्षेत्रों में लागू होगा और इसके साथ ही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा)-2005 निरस्त माना जाएगा।सरकार के मुताबिक इस योजना के तहत एक जुलाई से ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार चाहने वाले लोगों को अब साल में 100 नहीं बल्कि 125 दिन का रोजगार दिया जाएगा। इस बीच के समय में मनरेगा के सारे प्रावधान लागू रहेंगे और अधूरे काम एक जुलाई के पहले तक मनरेगा के अंतर्गत ही पूरे किए जाएंगे।इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक बयान में कहा कि यह कानून ग्रामीण गरीब, श्रमिक परिवारों, महिलाओं, स्वयं सहायता समूहों और किसानों के जीवन में नई आशा, अधिक आय सुरक्षा और गांवों में बड़े पैमाने पर टिकाऊ विकास कार्यों का मार्ग खोलेगा।

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर हमला कहा-'जनता से कुर्बानी मांगना सरकार की नाकामी का सबूत'

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि

सरकार अपनी आर्थिक और नीतिगत विफलताओं का बोझ आम जनता पर डाल रही है। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में जनता से सोना न खरीदने, विदेश यात्रा कम करने, पेट्रोल कम इस्तेमाल करने, फर्टिलाइजर और कुकिंग ऑयल की खपत घटाने, मेट्रो से यात्रा करने और घर से काम करने जैसी अपीलें कीं। कांग्रेस नेता ने इन सलाहों को उपदेश नहीं, बल्कि सरकार की नाकामी के सबूत बताया। उन्होंने कहा, 12 साल में देश को ऐसी स्थिति में पहुंचा दिया गया है कि अब जनता को बताया जा रहा है कि क्या खरीदना है, क्या नहीं खरीदना है, कहां जाना है और कहां नहीं जाना है।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि हर संकट और समस्या की जिम्मेदारी सरकार जनता पर डाल देती है ताकि खुद जवाबदेही से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि देश चलाना अब समझौता करने वाले प्रधानमंत्री के बस की बात नहीं रह गई है।

बांधवगढ़ में फिर बाघ की मौत, प्रबंधन ने बताया आपसी संघर्ष; उठे कई सवाल

उमरिया,(आरएनएस)। विश्वप्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में एक बार फिर बाघ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने से वन विभाग और प्रबंधन पर सवाल खड़े हो गए हैं। खितौली परिक्षेत्र के पश्चिम बगदरी बीट इलाके में रविवार सुबह एक नर बाघ मृत अवस्था में मिला। प्रारंभिक जांच में पार्क प्रबंधन ने इसकी वजह बाघों के बीच आपसी संघर्ष को बताया है, लेकिन घटना को लेकर कई तरह की शंकाएं भी सामने आ रही हैं।जानकारी के मुताबिक रविवार सुबह करीब साढ़े छह बजे ढमढमा कैंप के सुरक्षा कर्मियों ने जंगल में बाघों के लड़ने जैसी आवाजें सुनीं। इसके बाद गश्ती दल ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। करीब तीन घंटे की तलाश के बाद एक बाघ का शव बरामद किया गया।सोमवार को सबांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक डॉ. अनुपम सहाय ने बताया कि मृत बाघ की पहचान पुजारी नामक नर बाघ के रूप में हुई है, जिसकी उम्र करीब आठ वर्ष बताई जा रही है। उन्होंने कहा कि बाघ के शरीर पर हमले के निशान मिले हैं और प्रथम दृष्टया मामला आपसी संघर्ष का लग रहा है। मौके पर बाघ के सभी अंग सुरक्षित पाए गए हैं।प्रबंधन का दावा है कि यह बाघ अक्सर बी-1 नामक दूसरे बाघ से डरता था और उसे देखते ही इलाके से हट जाता था। आशंका जताई जा रही है कि दोनों का आमना-सामना होने पर संघर्ष हुआ होगा, जिसमें पुजारी की मौत हो गई।हालांकि इस पूरे घटनाक्रम पर सवाल भी उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों और वन्यजीव प्रेमियों का कहना है कि यदि संघर्ष इतना गंभीर था कि एक बाघ की मौत हो गई, तो दूसरा बाघ घायल अवस्था में क्यों नहीं मिला।

प्रधानमंत्री मोदी की अपील से सोने के कारोबारियों में हड़कंप ? आज पीएमओ अधिकारियों से मिलेंगे

नईदिल्ली,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद आभूषण संघ यानि सोने के कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। खबर आई है कि संगठन के पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अधिकारियों से मिलने की अनुमति मांगी है। उनकी बैठक मंगलवार को हो सकती है। यह घटनाक्रम ऐसे समय पर सामने आया है, जब प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से एक साल तक सोना न खरीदने की अपील की है।प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को तेलंगाना के हैदराबाद में भाजपा की रैली को संबोधित कर कहा कि आज के समय में विदेशी मुद्रा को बचाना बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा, सोने की खरीद। इसमें विदेशी मुद्रा बहुत अधिक खर्च होती है। एक जमाना था, जब संकट-युद्ध होने पर लोग देशहित में सोना दान देते थे। आज दान की जरूरत नहीं है, लेकिन देशहित में हमको तय करना होगा कि एक साल तक कोई भी पारिवारिक कार्यक्रम हो, सोना नहीं खरीदेंगे।

उपार्जन से कोई किसान न छूटे, सभी किसानों का पात्रता अनुसार गेहूँ क्रय किया जाए

वन भूमि एवं शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटें

भोपाल (ए.)। हरदा जिले के प्रभारी एवं सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के जिले में सुव्यवस्थित इंतजाम रहें। कोई भी पात्र किसान गेहूँ बेचने से न छूटे। उपार्जन केन्द्रों पर किसानों को असुविधा न हो। जिले में उपार्जन कार्य की प्रतिदिन समीक्षा की जाए। जनजागरूकता कार्यक्रम चलाकर किसानों को आश्वस्त किया जाए कि उनके गेहूँ की खरीदी अवश्य होगी। मंत्री श्री सारंग सोमवार को हरदा जिला कलेक्ट्रेट में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए संबोधित कर रहे थे। बैठक में केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री दुर्गादास उइके, विधायक डॉ. आर.के. दोगने, जिला पंचायत अध्यक्ष गजेन्द्र शाह, पूर्व कृषि मंत्री कमल पटेल, पूर्व विधायक टिमरनी संजय शाह सहित समिति के सदस्य उपस्थित थे। मंत्री श्री सारंग ने जिले में आगामी सीजन में सुगमता से उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि आगामी वर्ष से ग्राम पंचायत स्तर पर भी उर्वरक वितरण करने की योजना बनाई जा रही है, जिससे किसानों को सुगमता से उर्वरक उपलब्ध हो सकेगा। खनिज विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि जिले में कहीं भी खनिज का अवैध उत्खनन अथवा परिवहन न हो। खनिज का अवैध धंधा करने वालों में पुलिस का खौफ रहे। वे स्वयं इसका औचक निरीक्षण करेंगे। आगामी दो माह में वनभूमि से समस्त अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिये गये। इसके अलावा शासकीय भूमि से आगामी तीन माह में सभी तरीके के अतिक्रमण हटाने के लिये अधिकारियों को पाबंद किया गया। श्री सारंग ने बैठक में विद्युत की सुचारू आपूर्ति के निर्देश दिये गये। साथ ही पशुपालन विभाग को जिले में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने एवं नई समितियों का गठन करने के लिये निर्देशित किया गया। जल संसाधन विभाग अंतर्गत मूंग की फसल में सिंचाई के पानी की आपूर्ति की जानकारी ली गई। स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान मंत्री ने कहा कि परीक्षा परिणामों में अपेक्षित सुधार लाया जाए। सांदीपनी स्कूलों के प्रारंभ होने के बाद शिक्षा व्यवस्था में हुए बदलाव का अध्ययन किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी स्कूलों में बच्चों के अनियमित उपस्थिति के कारणों का भी विश्लेषण किया जाए। मंत्री ने निर्देश दिये कि सार्वजनिक अधोसंरचनाओं के लिये सुगम पहुँच मार्ग उपलब्ध रहें, यह भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होने कहा कि विधायक एवं सांसद निधि से ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध कराये गये पानी के टैंकर ग्राम पंचायतों में ही खड़े हो, इस बात का भौतिक सत्यापन किया जाए।

भोपाल के बरखेड़ा पठानी में पानी संकट पर उग्र प्रदर्शन, वार्ड ऑफिस के बाहर फोड़े मटके

एक महीने से जल संकट से नाराज़ लोगों ने जताया विरोध, नियमित जलापूर्ति की मांग तेज

भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के बरखेड़ा पठानी क्षेत्र में पेयजल संकट को लेकर सोमवार को स्थानीय लोगों का आक्रोश देखने को मिला। नगर निगम वार्ड-56 कार्यालय के बाहर बड़ी संख्या में रहवासियों ने खाली मटके फोड़कर प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की। यह विरोध प्रदर्शन साकेत नगर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में किया गया, जिसमें ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुशील प्रजापति के साथ कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों ने क्षेत्र में लगातार जलसंकट और अनियमित आपूर्ति को लेकर नाराज़गी जताई और तत्काल समाधान की मांग की। प्रदर्शन के दौरान सुशील प्रजापति ने कहा कि बरखेड़ा पठानी क्षेत्र के लोग पिछले लगभग एक महीने से गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं, लेकिन नगर निगम की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। स्थानीय रहवासियों ने बताया कि क्षेत्र में स्थित पेयजल टंकी में नियमित रूप से पानी उपलब्ध नहीं हो रहा है, जिससे लोगों को बेहद कम मात्रा में जल मिल पा रहा है। कई परिवारों को दिनभर में दो बाल्टी पानी तक के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है, जिससे दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। प्रदर्शन में हरिराम प्रजापति, दीपक गुप्ता, केबी सिंह, राम बहादुर कुशवाह, अर. भलोट, वीरू लाहरी, ललिता प्रजापति, उपजेंद्र सिंह ठाकुर सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। रहवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में शीघ्र नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

भोपाल के हथाईखेड़ा डेम में मूकबधिर युवक का शव मिला, हत्या की आशंका

भोपाल(निप्र)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के हथाईखेड़ा डेम में सोमवार सुबह एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान अमित विश्वकर्मा के रूप में हुई है, जो इंदौर में एक होटल में काम करता था। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। सोमवार दोपहर को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया जानकारी के अनुसार 28 वर्षीय अमित विश्वकर्मा पुत्र शिवरतन विश्वकर्मा इंदौर के संजीव नगर क्षेत्र का निवासी था। वह बचपन से मूकबधिर था और इंदौर के एक होटल में नौकरी करता था। परिजनों ने बताया कि अमित करीब 15 दिन पहले अपने पिता से मिलने आया था, जिसके बाद वह वापस इंदौर लौट गया था। मृतक के पिता शिवरतन विश्वकर्मा के अनुसार शनिवार को वीडियो कॉल पर अमित से आखिरी बार बात हुई थी। उस समय वह सामान्य दिखाई दे रहा था और उसने किसी प्रकार की परेशानी का जिक्र नहीं किया था। परिवार का कहना है कि उन्हें यह जानकारी नहीं है कि अमित भोपाल कब और कैसे पहुंचा। सोमवार सुबह पुलिस ने फोन कर डेम में शव मिलने की सूचना दी। मृतक के पिता ने बेटे की हत्या किए जाने की आशंका जताई है। उनका कहना है कि अमित आत्महत्या जैसा कदम नहीं उठा सकता था। उन्होंने बताया कि शव पर, विशेषकर एक आंख के पास चोट के निशान दिखाई दिए हैं।

प्रदेश पुलिस ने अटूट साहस और कर्तव्यनिष्ठा के बल पर बनाई विशेष पहचान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सुशासन के मार्ग पर चलने में सरकार का अहम हिस्सा है पुलिस

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश पुलिस के अधिकारी और कर्मचारियों ने अपने अटूट साहस और कर्तव्यनिष्ठा के बल पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। पुलिस सुशासन के मार्ग पर चलने में सरकार का अहम हिस्सा है। राज्य की शांति और सुरक्षा व्यवस्था देशभक्ति और जनसेवा में समर्पित पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को सम्मानित कर मैं स्वयं गर्व का अनुभव कर रहा हूँ। यह पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों की दक्षता, योग्यता और क्षमता का ही परिणाम है कि उन्हें के.एफ. रुस्तमजी पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश पुलिस ने जिस प्रकार से धाक और साख बनाई है वह निश्चित ही प्रशंसनीय है। पुलिस विभाग में जो भी नवाचार किया जाना है, राज्य सरकार का पूर्ण सहयोग उसके साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश की शांति और सुरक्षा के लिए असधारण कार्य करने वाले पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को वर्ष 2019-2020 और 2020-2021 के लिए रवीन्द्र भवन में आयोजित के.एफ. रुस्तमजी पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, सम्मानित होने वाले पुलिस अधिकारी-कर्मचारी और उनके परिजन उपस्थित थे।

पुलिसकर्मियों को उनके जिले में आवास उपलब्ध कराये जायेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज 2 वर्ष के पुरस्कार एक साथ दिये जा रहे है। कर्तव्यनिष्ठा और असाधारण कार्य के लिए प्रोत्साहन स्वरूप दिये जाने वाले यह पुरस्कार आगामी वर्षों में प्रति वर्ष प्रदान किये जायें। यह सुनिश्चित किया जाये कि पुरस्कार वितरण में भविष्य में विलंब न हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुलिस विभाग द्वारा प्रदान किए जाने वाले पुरस्कारों की राशि बढ़ाने को मंजूरी दी गई है। पुलिस महानिदेशक (डीजी) स्तर पर पहले 25 हजार रूपये तक के पुरस्कार दिए जाते थे, जिसे अब बढ़ाकर 50 हजार रूपये कर दिया गया है, जिससे उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों का और अधिक उत्साहवर्धन हो सके। उन्होंने कहा कि हमारे पुलिसकर्मियों को उनके जिले में पात्रता अनुसार आवास उपलब्ध कराने के लिए हाउसिंग बोर्ड एवं संबंधित प्राधिकरणों से समन्वय कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। पुलिसकर्मी समाज की सुरक्षा के लिए सदैव समर्पित रहते हैं, इसलिए उनके कल्याण का ध्यान रखना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 1983 के क्रिकेट विश्व कप विजेता टीम के कप्तान कपिल देव का मुख्यमंत्री निवास में पुष्प-गुच्छ के साथ अंगवस्त्रम ओढ़ाकर स्वागत किया।

इंदौर पुलिस की तत्परता और सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

एमआर-3 रोड पर गैस टंकी में लगी आग पर पुलिस ने तत्काल पाया काबू

भोपाल (ए.)। प्रदेश में आमजन की सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा निरंतर गश्त एवं पेट्रोलिंग की जा रही है। इसी क्रम में इंदौर पुलिस की सतर्कता, त्वरित कार्रवाई और साहस का एक सराहनीय उदाहरण सामने आया है, जहां पुलिस जवानों की सूझबूझ से एक संभावित बड़ा हादसा टल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 10 मई को अलसुबह गश्त के दौरान थाना लसूड़िया क्षेत्र अंतर्गत एमआर-3 रोड स्थित सनसिटी के पास एक गैस टंकी में आग लगने की सूचना पुलिस को प्राप्त हुई। घटना स्थल रहवासी क्षेत्र के बीच स्थित होने तथा आसपास गैस लाइन मौजूद होने के कारण क्षेत्र में दहशत का माहौल निर्मित हो गया। स्थानीय लोगों को आशंका थी कि यदि समय रहते आग पर नियंत्रण नहीं पाया गया तो बड़ा विस्फोट हो सकता है, जिससे गंभीर जनहानि की संभावना बन सकती थी। सूचना मिलते ही प्रभात गश्त में तैनात एसीपी हीरानगर श्रीमती रूबीना मिजवानी, थाना लसूड़िया एवं विजय नगर की एफआरवी टीम तथा बीट महालक्ष्मी नगर के पुलिस जवान तत्काल मौके पर पहुंचे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसीपी द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

ई-प्रवेश में विद्यार्थियों का बढ़ा उत्साह, आंकड़ा पहुंचा 1.10 लाख के पार

भोपाल (ए.)। उच्च शिक्षा विभाग के ई-प्रवेश पोर्टल पर शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विद्यार्थियों का उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। बीते कुछ दिनों में पंजीयन की गति में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। सोमवार 11 मई 2026 तक कुल पंजीयन का आंकड़ा 1,10,079 तक पहुंच गया है। बतादें कि स्नातक पाठ्यक्रमों में 71,716, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 15,273 तथा एनसीटीई पाठ्यक्रमों में 23,090 पंजीयन प्राप्त हुए हैं। विद्यार्थियों द्वारा चॉइस फिलिंग में भी तेजी देखी जा रही है, जहां अब तक 75,017 विद्यार्थियों ने अपनी पसंद के महाविद्यालय एवं पाठ्यक्रम चयनित किए हैं। वहीं 56,240 आवेदनों का सत्यापन पूर्ण हो चुका है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सभी शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की सहायता के लिए हेल्प डेस्क, मार्गदर्शन एवं दस्तावेज सत्यापन की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। विभागीय अधिकारियों द्वारा लगातार मॉनिटरिंग एवं प्रचार-प्रसार गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, जिससे विद्यार्थियों में ई-प्रवेश प्रक्रिया के प्रति सकारात्मक वातावरण बना है। उच्च शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपील की है कि प्रथम चरण के पंजीयन की अंतिम तिथि 15 मई 2026 से पूर्व अपनी प्रवेश संबंधी समस्त प्रक्रिया पूर्ण कर लें। स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रथम चरण की आवंटन सूची क्रमशः 20 एवं 21 मई 2026 को जारी की जाएगी।

भोपाल मेट्रो पर नया विवादः कब्रिस्तान के नीचे टनल निर्माण पर बढ़ी सियासत, अब हिंदू संगठनों ने दी चेतावनी

भोपाल (ए.)। भोपाल मेट्रो का अंडरग्राउंड प्रोजेक्ट अब कानूनी और धार्मिक विवाद में घिर गया है। कब्रिस्तान के नीचे से मेट्रो लाइन निकालने के विरोध में वक्फ बोर्ड में मामला चल रहा है, जबकि हिंदू संगठनों ने धार्मिक स्थलों को लेकर दोहरे रवैये का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी है कि केवल हिंदू धर्मस्थलों पर कार्रवाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भोपाल मेट्रो का अंडरग्राउंड प्रोजेक्ट अब धार्मिक और कानूनी विवादों के घेरे में आ गया है। भोपाल टॉकीज इलाके में पुराने कब्रिस्तान के नीचे से प्रस्तावित मेट्रो लाइन को लेकर वक्फ बोर्ड में सुनवाई चल रही है, वहीं अब हिंदू संगठनों ने भी इस मुद्दे पर मोर्चा खोल दिया है। मामले में मध्यप्रदेश वक्फ अधिकरण ने सुनवाई के लिए 14 मई की तारीख तय की है। इस दौरान मेट्रो प्रबंधन अपना पक्ष रखेगा। दूसरी ओर हिंदू संगठनों का कहना है कि विकास कार्यों में किसी भी तरह की बाधा नहीं आनी चाहिए।

सिर्फ हिंदू धर्मस्थलों पर कार्रवाई क्यों?

हिंदू उत्सव समिति व संस्कृति बचाओ मंच के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि यदि कब्रिस्तान और अन्य धर्मस्थलों को विकास कार्य में बाधक मानने के बावजूद नहीं हटाया जा रहा, तो हिंदू धर्मस्थलों को भी हटाने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि मुस्लिम समाज और उनके जनप्रतिनिधियों द्वारा कब्रिस्तान के मुद्दे पर विरोध किया जा रहा है, जिससे यह संदेश जा रहा है कि प्रशासन केवल हिंदू धर्मस्थलों पर कार्रवाई करने में तत्पर रहता है, जबकि अन्य धर्मस्थलों के मामलों में पीछे हट जाता है। तिवारी ने कहा कि विकास कार्यों को लेकर निर्णय सरकार और प्रशासन लेते हैं, न कि कोई विधायक। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या अब यह तय विधायक करेंगे कि भोपाल में मेट्रो की जरूरत है या नहीं?

विकास कार्य में हिंदू समाज हमेशा सहयोगी

चंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि हिंदू समाज हमेशा से विकास कार्यों में सहयोग करता आया है, लेकिन यदि धार्मिक स्थलों को समुदाय के आधार पर अलग-अलग नजरिए से देखा जाएगा तो इसका विरोध किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि केवल हिंदू धार्मिक स्थलों को हटाने की कार्रवाई की गई तो हिंदू उत्सव समिति इसका विरोध करेगी।

कब्रिस्तान के नीचे सुरंग निर्माण पर आपत्ति

विवाद भोपाल टॉकीज क्षेत्र के उस हिस्से को लेकर है, जहां से अंडरग्राउंड मेट्रो लाइन प्रस्तावित है। कमेटी इंतेजामियां औकाफ-ए-आम्मा ने मध्यप्रदेश राज्य वक्फ अधिकरण में याचिका दायर कर निर्माण पर रोक लगाने की मांग की है। याचिका में कहा गया है कि प्रस्तावित लाइन मासूमा तकिया अम्मनशाह, मस्जिद नूरानी, मुल्लाशाह सहित कई पंजीकृत वक्फ कब्रिस्तानों के नीचे से गुजर रही है। समिति का दावा है कि यह शहर के सबसे पुराने और ऐतिहासिक कब्रिस्तानों में शामिल हैं, जहां हजारों कब्रें मौजूद हैं।

आधुनिक तकनीकों ने बदली किसान केहर सिंह चौहान की जिंदगी

भोपाल (ए.)। टीकमगढ़ जिले के विकासखंड बल्देवगढ़ के ग्राम बनपुरा खुर्द के प्रगतिशील किसान केहर सिंह चौहान ने आधुनिक खेती अपनाकर यह साबित कर दिया है कि सही मार्गदर्शन और नई तकनीकों के उपयोग से खेती को लाभकारी व्यवसाय बनाया जा सकता है। पहले वे परंपरागत तरीके से एक एकड़ में गेहूं की खेती करते थे, जिससे लगभग छह माह में केवल 30 से 35 हजार रुपये की आय होती थी। सीमित आमदनी के कारण परिवार की जरूरतों को पूरा करना कठिन हो रहा था। इसके बाद उन्होंने उद्यानिकी विभाग की प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना एवं कृषि विभाग की आत्मा योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन प्राप्त किया। राज्य के बाहर कृषि भ्रमण के दौरान उन्होंने तरबूज सहित उद्यानिकी फसलों की उन्नत खेती के बारे में जानकारी ली।

हर बूंद अमूल्यः डिंडौरी ने जल संरक्षण में लिखा जनभागीदारी का नया अध्याय

जनशक्ति, नवाचार और सामुदायिक सहभागिता से विकसित हुआ अनुकरणीय मॉडल

भोपाल (ए.)। डिंडौरी जिले में जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देते हुए उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। जनजातीय बाहुल्य डिंडौरी जिले में ग्रामीणों ने जल संरक्षण को सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार करते हुए अभिनव प्रयास प्रारंभ किए हैं। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने बताया है कि जिला प्रशासन द्वारा जल चौपाल, जल जागरूकता रैली, कलश यात्रा और नुक्कड़ नाटक जैसे जनजागरण कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। ग्रामीणों ने इसे केवल सरकारी अभियान न मानकर अपनी प्राथमिकता और चुनौती के रूप में स्वीकार किया और जनसहभागिता से जल संरक्षण के अनेक नवाचार विकसित किए।

कम संसाधनों में तैयार हुआ जल संरक्षण का प्रभावी मॉडल

जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र डिंडौरी जिले में सीमित संसाधनों के बावजूद स्थानीय समुदाय ने जल संरक्षण एवं पौधों के संरक्षण के लिए कम लागत वाला प्रभावी मॉडल विकसित किया। विगत वर्ष VB-G RAM G (मनरेगा योजना) अंतर्गत 700 स्व-सहायता समूह के सदस्यों के यहां एक बगिया मां के नाम योजना के तहत 3,500 फलदार पौधों का रोपण हुआ।

भोपाल में भारत-ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 हॉकी सीरीज का आगाज़ 15 मई से

भोपाल (ए.)। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश के तत्वावधान में भोपाल में आयोजित होने जा रही भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 हॉकी सीरीज के लिए भारतीय एवं ऑस्ट्रेलियाई जूनियर टीमें आज राजधानी भोपाल पहुंचीं। राजा भोज एयरपोर्ट पर दोनों देशों के खिलाड़ियों एवं कोचिंग स्टाफ का खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। खिलाड़ियों को पारंपरिक तरीके से शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल प्रदर्शन की कामना की गई। यह अंतरराष्ट्रीय हॉकी श्रृंखला 15 मई से 20 मई 2026 तक भोपाल स्थित उधव दास मेहता (भाई जी) सेंट्रल सेंटर में आयोजित की जाएगी। सीरीज में भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई अंडर-18 पुरुष एवं महिला टीमें आमने-सामने होंगी। यह प्रतियोगिता आगामी एशिया कप की तैयारियों के दृष्टिगत बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जिसमें युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव प्राप्त होगा। श्रृंखला के अंतर्गत पुरुष वर्ग के मुकाबले 15 मई, 17 मई, 18 मई एवं 20 मई को खेले जाएंगे। वहीं महिला वर्ग के मैच भी इन्हीं तिथियों में आयोजित होंगे। सभी मुकाबले उधव दास मेहता (भाई जी) सेंट्रल सेंटर, भोपाल में होंगे इस अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी, भोपाल के कुल 10 खिलाड़ियों का भारतीय टीम में चयन हुआ है।

बैतूल के डायल 112 हीरोज

संवेदनशीलता और सतर्कता से भटके मासूम बच्चों को सुरक्षित घर पहुँचाया

भोपाल (ए.)। बैतूल जिले के थाना सारणी क्षेत्र में डायल-112 जवानों की तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता से परिजनों से बिछड़कर रास्ता भटक गए दो मासूम बच्चों को सुरक्षित उनके परिवार से मिलाया गया। समय पर की गई इस कार्रवाई से बच्चों को सुरक्षित संरक्षण मिला और परिजनों की चिंता दूर हो सकी। 10 मई को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना सारणी क्षेत्र अंतर्गत हरिफाटक के पास दो छोटे बच्चे अकेले मिले हैं, जो अपने घर का रास्ता भटक गए हैं। पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही सारणी थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 एफआरव्ही वाहन को तत्काल मौके के लिए रवाना किया गया। डायल 112 स्टॉफ सैनिक राजेश सिरसाम एवं पायलट कैलाश उइके ने बच्चों को सुरक्षित संरक्षण में लिया।

महाप्रबंधक ने रानी कमलापति एवं निशातपुरा स्टेशनों का किया निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान जोनल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट एवं वंदेभारत कोचिंग डिपो के कार्य गुणवत्ता जाँची

भोपाल (निप्र)। पश्चिम मध्य रेलवे महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह, भोपाल मण्डल निरीक्षण दौरे पर 11 मई 2026 को रानीकमलापति रेलवे स्टेशन, जोनल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट, वंदेभारत कोचिंग डिपो एवं निशातपुरा रेलवे स्टेशन और मण्डल के कन्ट्रोल ऑफिस का गहन निरीक्षण किया। जीएम श्री सिंह द्वारा डीआरएम एवं संबंधित अधिकारी के साथ निरीक्षण के दौरान रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर यात्री विश्रामालय, एस्लेटर, स्टेशन कंट्रोल रूम (सीसीटीवी कक्ष) का निरीक्षण, साथ ही गहनता से प्रजंटेशन के माध्यम से रानी कमलापति स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। यात्री सुविधाओं में विस्तार एवं स्टेशन पर संरक्षा से सम्बंधित रेलवे नियमों को प्रमुखता से पालन सुनिश्चित करने के आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निशातपुरा में 24.79 करोड़ की लागत से नवनिर्मित मल्टी डिसेपनरी जोनल रेलवे इंस्टिट्यूट के क्लासरूम, माडल रूम, आडोटोरियम ब्लाक का निरीक्षण कर जायजा किया और यह निर्देश दिए गए कि सभी शेष कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किया जाए। इस ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट में आगामी माह में रेलवे कर्मचारियों जैसे- लोको पायलट, स्टेशन मास्टर, इंजीनिरिंग, वाणिज्य एवं अन्य विभाग के कर्मचारियों को प्रारंभिक एवं रिफ्रेसर कोर्स का प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। निर्माणाधीन कोचिंग डिपो में स्थित वन्दे भारत के एक्सप्रेस के रैक अनुरक्षण को पीपीटी के माध्यम जानकारी ली इस वन्देभारत डिपो को लगभग 114.58 करोड़ की लागत से तैयार किया जा रहा है जिसके फेज-1 का कार्य सितम्बर 2027 से पूर्व तैयार करने का लक्ष्य है जिसमे वन्दे भारत के लिए इंस्पेक्शन वे लाइन, वर्कशाप शेड, वाशिंग पिट लाइन, ट्रैक लाइन, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, सिंग्ननिंग एवं ओएचई कार्य शामिल है। इसके अतिरिक्त महाप्रबंधक द्वारा नवनिर्मित निशातपुरा रेलवे स्टेशन पर यात्री प्रतीक्षालय, बुकिंग कार्यालय, अधोसरंचनात्मक निर्माण कार्य, यात्री सुविधाओं, सुरक्षा एवं संरक्षा की गुणवत्ता की जाँच का गहन निरीक्षण किया। संबंधित अधिकारियों से निशातपुरा स्टेशन पर गुड्स एवं यात्री लाईनों की विधिवत जानकारी ली। महाप्रबंधक ने नियंत्रण कार्यालय का निरीक्षण किया तथा वहां उपलब्ध कराई गई आधुनिक सुविधाओं की जानकारी ली। नियंत्रण कार्यालय को नवीनतम तकनीक, उन्नत संचार व्यवस्था, डिजिटल मॉनिटरिंग सिस्टम, समयपालन, सर्वर रूम, आपदा प्रबंधन कक्ष एवं रियल-टाइम ट्रेन संचालन निगरानी सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। इससे ट्रेन परिचालन, समयपालन, सुरक्षा एवं आपात स्थिति में त्वरित निर्णय लेने की क्षमता में उल्लेखनीय सुधार होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपलब्ध तकनीकी संसाधनों का अधिकतम उपयोग करते हुए यात्रियों की सुविधाओं और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

दुर्लभ जलीय वन्यजीवों की तस्करी से जुड़े अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क पर मध्यप्रदेश की बड़ी कार्रवाई

इंटरपोल मुख्यालय फ्रांस ने तस्कर तालुकदार के विरुद्ध रेड कॉर्नर नोटिस किया जारी

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश में वन एवं वन्यजीव संरक्षण को लेकर लगातार प्रभावी और परिणामोन्मुखी प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश में वन अपराधों पर नियंत्रण और जैव-विविधता संरक्षण के लिए आधुनिक तकनीक, अंतर्राज्यीय समन्वय तथा अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से कार्रवाई को लगातार मजबूत किया जा रहा है। इसी दिशा में मध्यप्रदेश वन विभाग की स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स ने दुर्लभ जलीय वन्यजीवों की तस्करी से जुड़े एक अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क का खुलासा करते हुए महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। एसटीएसएफ द्वारा की गई विस्तृत जांच और एकत्रित साक्ष्यों के आधार पर इंटरपोल मुख्यालय फ्रांस ने बांग्लादेश के फरार आरोपी अल हज शफीकुल इस्लाम रहमान तालुकदार उर्फ रेमंड तालुकदार के विरुद्ध रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई वन्यजीव अपराधों के विरुद्ध मध्यप्रदेश की सक्रिय और प्रभावी रणनीति को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिली बड़ी मान्यता के रूप में देखी जा रही है। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स ने जुलाई-2025 में मुरैना जिले में कार्रवाई करते हुए घड़ियाल के 30 बच्चे, 17 रेड-क्राउन्ड रूफ्ड टर्टल तथा 19 थ्री-स्ट्राइप्ड रूफ्ड टर्टल बरामद किए थे। इस मामले में वन अपराध प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना में सामने आया कि यह संगठित गिरोह दुर्लभ जलीय वन्यजीवों की तस्करी कर पश्चिम बंगाल के रास्ते बांग्लादेश भेजता था, जहां से इन्हें म्यांमार, थाईलैंड, मलेशिया सहित दक्षिण-पूर्व एशिया के कई देशों में सप्लाई किया जाता था।

किसान कांग्रेस अध्यक्ष के जिलाबदर पर बवाल, कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन, पुलिस ने चलाईं लाठियां

उज्जैन (ए.)। उज्जैन जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष अशोक जाट का जिलाबदर निरस्त कराने के लिए किसान भी कांग्रेस के साथ मिलकर प्रदर्शन कर रहे हैं। सोमवार सुबह प्रशासनिक भवन कोठी रोड पर किसान इसी मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे तभी पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। लाठीचार्ज में एक किसान की आंख के नीचे चोट लगी है, जबकि तीन लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

कांग्रेस अध्यक्ष अशोक जाट को पांच दिन पहले जिलाबदर किया गया था। उन पर किसानों के पक्ष में आंदोलन करने के चार्ज हैं। किसानों का कहना है कि चूंकि जिले में अभी समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी चल रही है और वह इसमें खलल डाल सकते थे, इसलिए जिलाबदर की कार्रवाई की गई है, लेकिन इस आदेश के खिलाफ तीन दिन पहले कांग्रेस ने प्रशासनिक संकुल पर धरना दिया था और अल्टीमेटम देकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष और शहर कांग्रेस अध्यक्ष लौट आए थे। सोमवार सुबह फिर किसानों और कांग्रेस ने मिलकर उग्र प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। जाट समाज के युवा नेता राधे जाट ने बताया कि कांग्रेस, किसान संगठन और जाट समाज ने कलेक्टर को ज्ञापन देने के लिए बुलाया था, लेकिन कलेक्टर ज्ञापन लेने नहीं पहुंचे। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड पर ही ज्ञापन चस्पा कर प्रदर्शन समाप्त कर दिया।

21 मई तक का दिया अल्टीमेटम

राधे जाट ने कहा कि जाट समाज ने प्रशासन को 21 मई तक का अल्टीमेटम दिया है। अगर अशोक जाट का जिलाबदर आदेश नहीं हटाया गया और उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो 21 मई को प्रदेशभर में प्रदर्शन किया जाएगा। और अगला आंदोलन भोपाल में किया जाएगा।

हमें प्रदर्शन में आने से रोका गया

महिदपुर विधायक दिनेश जैन बोस ने कहा कि वे किसानों की लड़ाई लगातार लड़ते रहेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि उज्जैन आते समय पुलिस ने उन्हें भी रोकने की कोशिश की, लेकिन वे डरने वाले नहीं हैं।

शादी का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, लुटेरी दुल्हन समेत छह आरोपी गिरफ्तार

देवास (ए.)। देवास पुलिस ने शादी का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए लुटेरी दुल्हन समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी शादी के नाम पर लाखों रुपये लेकर दुल्हन को फरार करा देते थे। पुलिस ने आरोपियों से 1.18 लाख रुपये बरामद किए हैं और अन्य संदिग्धों की तलाश जारी है।

देवास की नाहर दरवाजा थाना पुलिस ने शादी का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए लुटेरी दुल्हन सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1 लाख 18 हजार रुपये भी जब्त किए हैं। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

एडिशनल एसपी जय वीर सिंह भदोरिया ने बताया कि फरियादी जानकीलाल पुवाड़िया निवासी देवास ने नाहर दरवाजा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके पुत्र की शादी नहीं हो रही थी। इसी दौरान अंतर सिंह नामक व्यक्ति ने शादी कराने का भरोसा दिलाते हुए करीब दो लाख रुपये खर्च होने की बात कही। इसके बाद आरोपी फरियादी पक्ष को राजगढ़ जिले के जीरापुर ले गया, जहां सीमा नामक युवती और उसकी मौसी गीता बाई से रिश्ता तय कराया गया। बाद में सीमा को देवास लाकर लिखा-पढ़ी कर विवाह भी कराया गया। शादी के एवज में आरोपियों ने दो लाख रुपये ले लिए। शादी के अगले ही दिन दुल्हन सीमा यादव घर से फरार हो गई। ठगी का एहसास होने पर फरियादी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी सीमा बाई, गीता बाई, पूनमचंद लोधी, कमल मालवीय, फारूक मंसूरी और कमल उर्फ दिलीप को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों से एक लाख 18 हजार रुपये भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह शादी का झांसा देकर लोगों से मोटी रकम वसूलकर फरार हो जाता था। मामले में अन्य संदिग्धों की तलाश जारी है

शादी करके दुल्हन होती थी फरार...

पुलिस ने जब इस गिरोह को लेकर एक महिला को गिरफ्तार किया तो उसने बताया कि उसके साथ अन्य लोग भी हैं, जो इस पूरे घटनाक्रम में सम्मिलित थे। पहले शादी के पूर्व एक बड़ी राशि ले लेते थे और जब उसे महिला की शादी हो जाती थी तो वह महिला अगले दिन ही बहाना बनाकर भाग जाती थी। अब इस मामले से जुड़े अन्य मामलों को लेकर भी पुलिस पूछताछ कर रही है। यह गिरोह उन लोगों को अपना निशाना बनाता था, जिनकी शादी नहीं होती थी और वह शादी के लिए किसी माध्यम से दुल्हन की तलाश करते थे।

सीधी में सनसनीः लाल पोटली में मिला मासूम का कंकाल, गांव में हड़कंप; तंत्र-मंत्र की आशंका से सहमे ग्रामीण

सीधी (ए.)। सीधी जिले के भुईमाड़ थाना क्षेत्र के ग्राम खम्हरिया में एक दिल दहला देने वाली और रहस्यमयी घटना सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को दहशत में डाल दिया है। गांव के बाहर बांस के पेड़ पर लाल कपड़े की एक पोटली में मासूम बच्चे का कंकाल मिलने से सनसनी फैल गई है। घटना के बाद ग्रामीणों में तंत्र-मंत्र और जादू-टोने की आशंका को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है, वहीं पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

ग्रामीण सत्य प्रकाश बैगा के अनुसार, रविवार सुबह कुछ लोगों की नजर बांस के पेड़ पर टंगी लाल पोटली पर पड़ी, जो संदिग्ध लग रही थी। जब ग्रामीणों ने उसे खोलकर देखा तो उसमें छोटे बच्चे का कंकाल मिला। यह दृश्य देखते ही पूरे गांव में भय और अफरा-तफरी का माहौल फैल गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर इकट्ठा हो गए।

रीवा की पुलिस लाइन में बहा खून, प्रधान आरक्षक पर गड़ासे-तलवार से हमला, हमलावर भी पुलिसवाला

रीवा (ए.)। रीवा शहर के बिछिया थाना क्षेत्र स्थित पुलिस लाइन रविवार देर रात उस समय रणक्षेत्र में तब्दील हो गई, जब दो पुलिसकर्मियों के बीच हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। इस सनसनीखेज घटना में प्रधान आरक्षक मुकेश तिवारी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद पूरे पुलिस लाइन परिसर में हड़कंप और दहशत का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार प्रधान आरक्षक मुकेश तिवारी वर्तमान में मनगवां थाने में पदस्थ हैं और इन दिनों रीवा न्यायालय में ड्यूटी कर रहे थे। रविवार रात करीब 11:30 बजे जब वे पुलिस लाइन स्थित अपने आवास पहुंचे, तभी किसी बात को लेकर उनका विवाद पुलिस लाइन निवासी सुरेंद्र पांडे उर्फ "मामा" से हो गया। देखते ही देखते कहासुनी हिंसक झड़प में बदल गई।

आरोप है कि सुरेंद्र पांडे ने अपने बेटे समन पांडे और दो अन्य साथियों के साथ मिलकर मुकेश तिवारी पर तलवार, गड़ासे और लाठी-डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में प्रधान आरक्षक गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। चीख-पुकार सुनकर जब परिवार के लोग बीच-बचाव करने पहुंचे तो आरोपियों ने उनके पुत्र के साथ भी मारपीट की।

घटना के बाद घायल प्रधान आरक्षक की पत्नी सुभाषिनी तिवारी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सुरेंद्र पांडे उर्फ "मामा" का पुलिस लाइन में लंबे समय से विवादित व्यवहार रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वह अक्सर नशे की हालत में गाली-गलौज और हंगामा करता है तथा पहले भी कई बार विवाद

कर चुका है। इसके बावजूद उस पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

सूत्रों के मुताबिक सुरेंद्र पांडे के खिलाफ पूर्व में भी विभागीय कार्रवाई हो चुकी है, लेकिन उसके व्यवहार में सुधार नहीं आया। फिलहाल पुलिस अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस लाइन जैसी संवेदनशील जगह पर पुलिसकर्मियों के बीच हुए इस खूनी संघर्ष ने विभागीय अनुशासन और कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इंस्टाग्राम पर प्यार, फिर अश्लील वीडियो से ब्लैकमेल; फर्जी क्राइम ब्रांच बनकर युवती से वसूले 1.30 करोड़

अशोक नगर (ए.)। सोशल मीडिया पर दोस्ती कर युवती को प्रेमजाल में फंसाने, अश्लील फोटो-वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने और फर्जी क्राइम ब्रांच अधिकारी बनकर करीब 1 करोड़ 30 लाख रुपए की ठगी करने वाले संगठित गिरोह का पुलिस ने रविवार को पर्दाफाश किया। पुलिस ने मामले में आदित्य सिंह तोमर, आयुषी चौहान, आकाश चौहान और आर्यन सोनी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से ठगी की रकम से खरीदे गए सोने-चांदी के जेवर, थार रॉक्स कार, स्कूटी, मोबाइल, लैपटॉप और नकदी बरामद की गई है।

एसपी राजीव कुमार मिश्रा ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पीड़िता ने परिजनों और समाज के लोगों के साथ एसपी कार्यालय पहुंचकर दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग और ठगी की शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक रवि प्रताप सिंह चौहान के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की गई।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि करीब पांच वर्ष पहले, जब वह नाबालिग थी और कक्षा 12वीं में पढ़ती थी, तब उसकी पहचान इंस्टाग्राम पर आरोपी आदित्य सिंह तोमर से हुई। आरोपी ने शादी और सुनहरे भविष्य का सपना दिखाकर उससे प्रेम संबंध बनाए। इसके बाद वह युवती को अपने साथी आर्यन सोनी के स्टूडियो ले जाने लगा। आर्यन सोनी इंद्रा पार्क क्षेत्र में "आर्यन टैटू स्टूडियो" संचालित करता है। आरोप है कि वहीं युवती के आपत्तिजनक फोटो और वीडियो चोरी-छिपे बनाए गए।

कई बार बनाए शारीरिक संबंध

बाद में इन्हीं फोटो-वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेलिंग शुरू कर दी गई। आरोप है कि आदित्य सिंह तोमर ने युवती की इच्छा के विरुद्ध कई बार शारीरिक संबंध बनाए। पिता की मौत के बाद आरोपी ने 5 लाख रुपए की मांग की, जिस पर डर और बदनामी के कारण पीड़िता ने करीब 2 लाख रुपए नकद दे दिए। जब ब्लैकमेलिंग बढ़ने लगी तो पीड़िता ने अपनी परिचित आयुषी चौहान से मदद मांगी। आयुषी खुद को एस्ट्रोलॉजर बताती थी और ग्रह-नक्षत्र व भविष्यवाणी के नाम पर लोगों को प्रभावित करती थी। उसने पीड़िता को डराया कि उसके जीवन में बड़ी अनहोनी होने वाली है और वह अपने पति आकाश चौहान के साथ उसकी मदद कर सकती है।

ऐसे दिलाया भरोसा

आयुषी चौहान ने पीड़िता को भरोसा दिलाया कि वह पुलिस अधिकारियों को जानती है और फोटो-वीडियो डिलीट करवा देगी। इसके एवज में पहले डेढ़ लाख रुपए लिए गए। इसके बाद जनवरी 2025 से पीड़िता को अलग-अलग नंबरों से फोन आने लगे। कॉल करने वाले खुद को पुलिस इंस्पेक्टर और क्राइम ब्रांच अधिकारी बताकर जेल भेजने, झूठे मामलों में फंसाने और वीडियो वायरल करने की धमकी देते थे।

35 लाख रुपए का गोल्ड लोन लिया

डर के माहौल में पीड़िता से 10 लाख रुपए, फिर 25-25 लाख रुपए की कई किश्तों में रकम वसूली गई। दीपावली से पहले एक आरोपी ने खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच का वरिष्ठ अधिकारी बताकर 60 लाख रुपए की मांग की।

व्यापार समाचार

शेयर बाजार में बड़ी गिरावट; सेंसेक्स 1313 अंक टूटा, निफ्टी 23850 से नीचे

नई दिल्ली (ए.)। पीएम नरेंद्र मोदीकी ओर से देश में पेट्रोल-डीजल के इस्तेमाल में किफायत बरतने की अपील के बाद घरू शेयर बाजार में सोमवार को बड़ी गिरावट दिखी। दलाल स्ट्रीट पर निवेशकों की चौतरफा बिकवाली के कारण प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी सोमवार को औंधे मुंह गिर गए। सेंसेक्स 1,312.91 अंक गिरकर 76,015.28 पर बंद हुआ; निफ्टी 360.30 अंक गिरकर 23,815.85 पर आ गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 85 पैसे गिरकर रिकॉर्ड निचले स्तर 95.34 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

वहीं, विदेशी मुद्रा बाजार में भी भारतीय मुद्रा ने एक ऐतिहासिक और

चिंताजनक गिरावट दर्ज की है, जहां अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है।

सेंसेक्स और निफ्टी धड़ाम

बाजार में लगातार बने दबाव के बीच आज का कारोबारी सत्र निवेशकों के लिए भारी नुकसान वाला साबित हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 1,312.91 अंकों की भारी गिरावट के साथ 76,015.28 के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला सूचकांक निफ्टी भी 360.30 अंक टूटकर 23,815.85 के स्तर पर आ गया।

बहुमूल्य धातुओं में विपरीत चाल, सोने में नरमी और चांदी में उछाल

- एमसीएक्स पर सोना 154 रुपए टूटा, चांदी 1,600 रुपए से अधिक मजबूत

नई दिल्ली (ए.)। घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय वायदा बाजारों में सोमवार को बहुमूल्य धातुओं की चाल एक-दूसरे के विपरीत रही। जहां सोने के वायदा भाव में गिरावट दर्ज की गई, वहीं चांदी चमकती हुई देखी गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना प्रति 10 ग्राम 1,52,375 रुपए के करीब कारोबार कर रहा था, जबकि चांदी 2,63,600 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर मजबूत बनी हुई थी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी सोने में सुस्ती और चांदी में तेजी का रुख रहा। एमसीएक्स पर सोने के जून वायदा अनुबंध में सोमवार को नरमी का रुख रहा। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार यह अनुबंध 154 रुपए गिरकर 1,52,376 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। सोने के विपरीत एमसीएक्स पर चांदी के जुलाई वायदा अनुबंध में शानदार तेजी देखने को मिली। खबर लिखे जाने तक यह अनुबंध 1,677 रुपए की मजबूती के साथ 2,63,599 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा था। चांदी का वायदा भाव 2,64,535 रुपए पर तेजी के साथ खुला था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 2,61,922 रुपए था। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की चाल घरेलू बाजार के अनुरूप ही रही। कॉमेक्स पर सोना 39.50 डॉलर की गिरावट के साथ 4,691.20 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। वहीं, कॉमेक्स पर चांदी का वायदा भाव 0.52 डॉलर की तेजी के साथ 81.38 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। इस साल सोने ने 5,586.20 डॉलर और चांदी ने 121.79 डॉलर का उच्चतम स्तर छुआ था।

रुपया 139 पैसे टूटकर 94.90 प्रति डॉलर पर खुला

- रुपया पिछले कारोबारी दिन 93.51 पर बंद हुआ था

मुंबई (ए.)। रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 139 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.90 पर पहुंच गया। अमेरिका के शांति प्रस्ताव पर ईरान की प्रतिक्रिया को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खारिज करने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर के मजबूत रुख और विदेशी पूंजी की भारी निकासी ने रुपये पर और दबाव डाला।

महंगाई और जलवायु संकट : वित्त वर्ष 2027 में RBI कर सकता है ब्याज दरों में दो बार बढ़ोतरी

नई दिल्ली (ए.)। वैश्विक ऊर्जा संकट और अल नीनो मौसम के संभावित प्रभावों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था पर एक बार फिर महंगाई का दबाव बढ़ने की आशंका है। एचएसबीसी की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, इन आर्थिक और जलवायु संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक चालू वित्त वर्ष (FY27) में दो बार ब्याज दरों में इजाफा कर सकता है। इस रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि ऊर्जा संकट और अल नीनो से जुड़ी बाधाओं का यह संयोजन वित्त वर्ष 2027 के दौरान मुद्रास्फीति को उच्च स्तर पर धकेल सकता है और साथ ही आर्थिक विकास की गति को भी धीमा कर सकता है।

रिपोर्ट के आकलन के मुताबिक, ऊर्जा की बढ़ती कीमतों और तापमान से जुड़ी खाद्य मुद्रास्फीति के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए वित्त वर्ष 2027 में हेडलाइन मुद्रास्फीति औसतन 5.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। एचएसबीसी का आर्थिक मॉडल यह सुझाव देता है कि अल नीनो और तापमान में वृद्धि का संयुक्त प्रभाव एक वर्ष की अवधि में मुद्रास्फीति में 0.5 प्रतिशत तक का इजाफा कर सकता है। इसी आधार पर यह उम्मीद जताई गई है कि आरबीआई वर्ष 2026 की चौथी तिमाही और 2027 की पहली तिमाही में ब्याज दरों में दो बार बढ़ोतरी करेगा, जिससे रेपो रेट बढ़कर 5.75 प्रतिशत के स्तर तक पहुंच सकता है।

ऊर्जा लागत, औद्योगिक फीडस्टॉक की कीमतों और संभावित अल नीनो घटना के एक साथ उत्पन्न होने से मुद्रास्फीति और आर्थिक विकास को लेकर चिंताएं काफी बढ़ गई हैं।

पश्चिम एशिया संकट के बीच अदाणी ने AI और डेटा सेंटर पर दिया जोर, कहा- सस्ती बिजली ही भविष्य की नींव

नई दिल्ली (ए.)। भारत की ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल क्षमता और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के भविष्य को लेकर सीआईआई समिट में गौतम अदाणी ने बड़ा विजन पेश किया है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में किसी भी देश की असली ताकत केवल उसकी सैन्य या आर्थिक क्षमता से नहीं, बल्कि ऊर्जा और तकनीकी आत्मनिर्भरता से तय होगी।

पश्चिम एशिया संघर्ष को लेकर क्या बोले ?

हालिया पश्चिम एशिया संघर्ष और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों का उल्लेख करते हुए अदाणी ने कहा कि अब ऊर्जा सुरक्षा और डिजिटल सुरक्षा अलग-अलग विषय नहीं रह गए हैं।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

उम्मीद पर जल्द ही पानी फिर गया

अमेरिका ने ऐसा रुख अपनाया है, जैसे दोनों पक्षों के बीच युद्ध कभी हुआ ही नहीं हो! उधर ईरान का नजरिया है कि 39 दिन के युद्ध ने समीकरण बदल दिए हैं और वह अपनी बात मनवाने की स्थिति में है।

ईरान और अमेरिका/ इजराइल के शांति समझौते की दिशा में बढ़ने की जागी उम्मीद पर जल्द ही पानी फिर गया। ईरान के होरमुज डलडमरूमध्य को फिर से बंद करने के बाद अब दोनों तरफ से मोर्चाबंदी तेज होने की खबरें हैं। लेबनान में युद्धविराम लागू होने और उसके बाद ईरान के होरमुज जल मार्ग को खोलने का एलान करते ही जिस तरह डॉनल्ड ट्रंप ने ताबड़तोड़ सोशल मीडिया पोस्ट डाले, संकेत हैं कि उनसे बात फिर बिगड़ गई। अमेरिकी राष्ट्रपति ने संभवत: वैसे दावे भी कर दिए, जिन पर सहमति नहीं बनी थी और जिनसे ईरान के समर्पण कर देने का संदेश जाता था।नतीजतन, ईरान ने जवाबी कार्रवाई कर दी। वैसे भी दोनों पक्षों के आकलन में खाई इतनी चौड़ी है कि किसी जल्द समाधान की गुंजाइश नहीं बनती। पहले इस्लामाबाद में हुई प्रत्यक्ष वार्ता और फिर पाकिस्तान की मध्यस्थता में जारी परोक्ष बातचीत में अमेरिका ने इस तरह रुख अपनाया है, जैसे दोनों पक्षों के बीच युद्ध कभी हुआ ही नहीं हो! उधर ईरान का नजरिया ऐसा है कि 39 दिन के युद्ध ने समीकरण बदल दिए हैं और अब वह अपनी बातें मनवाने की स्थिति में है। ईरान इस नतीजे पर था कि उसके दबाव में अमेरिका ने लेबनान में युद्धविराम के लिए इजराइल को मजबूर किया। इसके बाद होरमुज जल मार्ग को सशर्त खोल कर उसने अगली सौदेबाजी की जमीन तैयार की।मगर, ट्रंप ने होरमुज की नौसैनिक घेराबंदी जारी रखने का एलान कर ईरान के इस कदम को निष्प्रभावी कर दिया। साथ ही उन्होंने दावा किया कि ईरान अपना संवर्धित यूरेनियम किसी अन्य देश को सौंपने पर राजी हो गया है। संकेत हैं कि इससे ईरान में इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आआरजीसी) और सख्त रुख रखने वाले अन्य समूहों में तीखी प्रतिक्रिया हुई। इससे कूटनीतिक नजरिया अपना रहे ईरानी अधिकारी सख्त रुख अपनाने पर मजबूर हो गए। इस तरह फिर से युद्ध का साया लौट आया है। ये लड़ाई दुनिया में गंभीर किस्म का ऊर्जा एवं आर्थिक संकट पहले ही खड़ा कर चुकी है। अब ये फिर तेज हुई, तो संकट और भयानक रूप ग्रहण कर सकता है।

रोगियों की मुस्कान और उम्मीद का दूसरा नाम हैं नर्से

– ललित गर्ग /

हर वर्ष 12 मई को पूरी दुनिया अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस मनाती है। यह दिन आधुनिक नर्सिंग सेवा की जननी मानी जाने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती के रूप में मनाया जाता है। यह दिवस उन अनगिनत संवेदनशील हाथों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जो दिन-रात रोगियों के दर्द को कम करने, उन्हें जीवन का भरोसा देने और मृत्यु से संघर्ष कर रहे व्यक्ति के भीतर आशा का दीप जलाने का कार्य करते हैं। दुनिया में नर्सों की सेवा सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, हर दिन, नर्से शांत शक्ति, स्थिर हाथों और करुणा से भरे दिलों के साथ अस्पतालों, क्लीनिकों और विभिन्न सामुदायिक स्थानों पर कदम रखते हुए रोगियों के लिये देवदूत बनती हैं। नर्से भगवान का रूप होती है, वे ही इंसान के जन्म की पहली साक्षी बनती है और उनमें करुणा का बीज बोती है। एक रोगी को स्वस्थ करने में वे अपना सब कुछ दे देती हैं। रोगी की सेवा करते हुए वे अपना पारिवारिक सुख, करियर, जीवन और वर्तमान सबकुछ झोंक देती है। वर्ष 2026 की थीम हमारी नर्सें, हमारा भविष्य- सशक्त नर्से जीवन बचाती हैं पूरी दुनिया को यह संदेश देती है कि यदि स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाना है तो नर्सों को सम्मान, सुरक्षा, संसाधन और सशक्त वातावरण देना होगा। यह दिवस 1965 से इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज द्वारा शुरु हुआ है, बहुत से लोग इस दिन का उपयोग अपने देश एवं दुनिया में नर्सों द्वारा किए गए अद्भुत सेवा कार्यों का सम्मान करने के लिए करते हैं।

सचमुच नर्से अस्पतालों की आत्मा होती हैं। चिकित्सक जहां रोग की पहचान और उपचार का मार्ग तय करता है, वहीं नर्स अपने स्पर्श, सेवा, सहानुभूति और निरंतर देखभाल से रोगी को जीने की शक्ति देती है। रोगी जब दर्द, भय, चिंता और असहायता से घिरा होता है, तब नर्स ही उसके चेहरे पर विश्वास की मुस्कान बनकर सामने आती है। वह केवल इंजेक्शन लगाने, दवाइयां देने या रिपोर्ट संभालने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह रोगी के मनोबल की संरक्षक होती है। वह अपने व्यवहार, शब्दों और संवेदनाओं से रोगी को यह विश्वास दिलाती है कि वह अकेला नहीं है। यही कारण है कि दुनिया भर में नर्सों को धरती के फरिश्ते कहा जाता है। मानवीय सेवा का सबसे जीवंत और प्रभावशाली स्वरूप यदि कहीं दिखाई देता है तो वह नर्सिंग सेवा में दिखाई देता है। एक नर्स रोगी की पीड़ा को केवल देखती नहीं, बल्कि उसे महसूस भी करती है। वह रात-रात भर जागकर मरीजों की देखभाल करती है, उनके दर्द की भाषा समझती है, उनकी छोटी-छोटी जरूरतों का ध्यान रखती है और कई बार अपने परिवार, अपने स्वास्थ्य और अपनी खुशियों की कीमत पर भी रोगियों की सेवा करती है। कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी के समय पूरी दुनिया ने देखा कि जब लोग अपने ही परिजनों से दूरी बना रहे थे, तब नर्से संक्रमित मरीजों के सबसे निकट खड़ी थीं। उन्होंने मृत्यु के भय को पीछे छोड़कर जीवन की रक्षा का संकल्प निभाया। उस दौर ने यह सिद्ध कर दिया कि नर्से केवल स्वास्थ्यकर्मी नहीं, बल्कि मानवता की सबसे मजबूत प्रहरी हैं।

नर्सिंग सेवा केवल पेशा नहीं, बल्कि करुणा, धैर्य और त्याग की साधना है। एक नर्स उस समय भी मुस्कुराती रहती है जब वह स्वयं मानसिक और शारीरिक थकान से गुजर रही होती है। वह रोगियों के बीच आशा का वातावरण बनाती है। कई बार ऐसे मरीज, जो मानसिक रूप से टूट चुके होते हैं, नर्सों की आत्मीयता और प्रेरणा से पुन: जीवन के प्रति सकारात्मक हो जाते हैं। चिकित्सा विज्ञान में दवाइयों की अपनी भूमिका है, लेकिन संवेदनशील देखभाल और मानसिक संबल रोगी के उपचार को अधिक प्रभावी बनाते हैं। यही कारण है कि कहा जाता है कि नर्स का स्पर्श भी एक औषधि है। आज जब दुनिया आधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में प्रवेश कर चुकी है, तब भी नर्सिंग सेवा की आवश्यकता और महत्ता कम नहीं हुई, बल्कि और अधिक बढ़ी है। मशीनें रोग का परीक्षण कर सकती हैं, लेकिन वे रोगी की आंखों में छिपे भय को नहीं पढ़ सकतीं। तकनीक इलाज का माध्यम बन सकती है, लेकिन वह करुणा का विकल्प नहीं बन सकती। नर्सों की सबसे बड़ी शक्ति उनकी संवेदनशीलता है, जो उन्हें अन्य सभी स्वास्थ्य सेवाओं से अलग पहचान देती है। इसी कारण आज भी नर्सिंग दुनिया का सबसे अधिक अपेक्षित और सम्मानित स्वास्थ्य पेशा माना जाता है।

विश्व स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने आज सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक प्रशिक्षित नर्सों की कमी है। विकसित देशों में बेहतर वेतन और सुविधाओं के कारण विकासशील देशों की अनेक प्रतिभाशाली नर्सें विदेशों की ओर आकर्षित हो रही हैं। परिणामस्वरूप गरीब और विकासशील देशों की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। विश्व स्तर पर नर्सों की बढ़ती आवश्यकता यह संकेत देती है कि आने वाले समय में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता नर्सों की उपलब्धता और दक्षता पर ही निर्भर करेगी। इसलिए यह समय नर्सों को केवल सेवक के रूप में देखने का नहीं, बल्कि उन्हें स्वास्थ्य व्यवस्था के निर्णायक स्तंभ के रूप में स्वीकार करने का है। भारत जैसे विशाल देश में नर्सिंग सेवा को अधिक सशक्त, सम्मानजनक और सुरक्षित बनाने की अत्यंत आवश्यकता है। नर्सों के लिए बेहतर वेतनमान, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियां, पर्याप्त अवकाश, मानसिक स्वास्थ्य सहयोग, कौशल विकास और नेतृत्व के अवसर सुनिश्चित किये जाने चाहिए। निजी और सरकारी अस्पतालों को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना होगा जहां नर्से सम्मान और आत्मविश्वास के साथ कार्य कर सकें। यदि नर्से स्वयं तनाव, असुरक्षा और उपेक्षा से घिरी रहेंगी, तो स्वास्थ्य सेवाओं की मानवीय गुणवत्ता प्रभावित होगी। इसलिए नर्सों का कल्याण केवल उनका व्यक्तिगत प्रश्न नहीं, बल्कि पूरी मानवता के स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ विषय है।

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस की 2026 की थीम भी इसी सोच को आगे बढ़ाती है कि सशक्त नर्से जीवन बचाती हैं।

सोमनाथ से सिंदूर तकः पुनरुत्थानशील भारत की भावना

पीयूष गोयल

75 वर्ष पहले किया गया भव्य सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण और प्राण-प्रतिष्ठा भारत के सभ्यतागत गौरव की पुनर्स्थापना का निर्णायक क्षण था। इसने भारत की उस दृढ़ता और संकल्प को पुन: स्थापित किया, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' मिशन का मूल आधार है।

इस पवित्र उपलब्धि की 75वीं वर्षगांठ राष्ट्र को भारतीय सभ्यता की मजबूत नींव और शक्ति पर सर्वोच्च विश्वास प्रदान करती है, जो 1,000 वर्षों तक कट्टरपंथियों द्वारा मंदिर पर किए गए भीषण हमलों को झेलने के बाद भी और अधिक सशक्त होकर उभरी।

गुजरात के शांत समुद्र तट पर स्थित यह मंदिर हर आक्रमण के बाद खंडहरों से अपनी पूरी भव्यता के साथ फिर उठ खड़ा हुआ। कई मायनों में इसका इतिहास भारत के अतीत का प्रतिबिंब है, जहाँ हमारे शांतिप्रिय लोगों ने अपनी आस्था, संस्कृति और विरासत पर हुए क्रूर हमलों के बाद फिर से मजबूती से वापसी की।

जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, जिस प्रकार सोमनाथ को नष्ट करने के लिए बार-बार षड्यंत्र और प्रयास हुए, उसी प्रकार विदेशी आक्रमणकारियों ने सदियों तक भारत को समाप्त करने की कोशिश की। फिर भी न तो यह पूजनीय तीर्थ नष्ट हुआ और न ही भारत।

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि सोमनाथ पर हमलों का उद्देश्य लूटपाट से ज़्यादा खतरनाक था। उन्होंने कहा, यदि हमले केवल लूट के लिए होते, तो एक हजार वर्ष पहले हुई पहली बड़ी लूट के बाद ही रुक गए होते। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सोमनाथ की पवित्र मूर्ति को अपवित्र किया गया, मंदिर के स्वरूप को बार-बार बदला गया। और हमें यह सिखाया गया कि सोमनाथ को केवल लूट के लिए नष्ट किया गया था। घृणा, उत्पीड़न और आतंक का यह क्रूर इतिहास हमसे छिपाया गया।

नेहरू का विरोध- स्वतंत्रता के बाद सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण के मिशन का नेतृत्व किया। यह नवस्वतंत्र भारत में राष्ट्रीय आत्मविश्वास की प्रारंभिक अभिव्यक्तियों में से एक था। लेकिन इस प्रयास की राह में भी मुश्किलें आईं। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इसके ऐतिहासिक लोकार्पण समारोह में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के शामिल होने का औपचारिक तौर पर विरोध किया। इसके बावजूद राष्ट्रपति ने 11 मई 1951 को मंदिर का लोकार्पण किया।

सदियों के क्रूर उत्पीड़न के बाद इस पुनर्निर्माण ने भारत में सांस्कृतिक पुनर्जागरण और सभ्यता पर गर्व के बीज बोए। काशी विश्वनाथ और उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर के पुनरुद्धार से लेकर अयोध्या में भव्य राम मंदिर तक; केदारनाथ के पुनर्जीवन से लेकर असंख्य धरोहर स्थलों के संरक्षण तक — भारत अपनी सभ्यता की कहानी को गरिमा और उद्देश्य के साथ पुन: स्थापित कर रहा है। इन प्रयासों से पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार एवं व्यापार के अनेक अवसरों का सृजन हो रहा है। वैश्विक पहचान- सोमनाथ की ही भांति भारत भी और अधिक सशक्त होकर उभरा है। यह विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था होने के साथ-साथ अपनी समृद्ध विरासत और आधुनिकता के अद्वितीय संगम के लिए वैश्विक पहचान बना रहा है। 2014 में जब देश भारी बहुमत से मोदी सरकार को सत्ता में लाया, तो संयुक्त राष्ट्र महासभा ने रिकॉर्ड 175 देशों के समर्थन से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव पारित किया। योग आज एक वैश्विक वेलनेस मुहिम बन चुका है, जिसने दुनिया की सभी संस्कृतियों के लोगों को लाभ पहुंचाया है। एक दशक बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया में संयुक्त अरब अमीरात सरकार द्वारा उपहार में दी गई भूमि पर बने एक भव्य मंदिर का लोकार्पण किया। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने बहरीन में 200 वर्ष पुराने मंदिर के पुनर्निर्माण कार्य का शुभारंभ किया था। वह नियमित रूप से प्रवासी भारतीयों से संवाद करते हैं जिससे वे भारतीय सांस्कृतिक विरासत का गौरवशाली दूत बन जाते हैं।आयुष और योग का वैश्वीकरण-भारत की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों से जुड़े पेशेवरों के लिए वैश्विक अवसरों का सृजन करना, हाल के वर्षों में भारत द्वारा विकसित देशों के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। हमारे कारीगरों, श्रमिकों, किसानों, मछुआरों, छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप्स के लिए लाभकारी वैश्विक अवसरों का सृजन करने के साथ-साथ ये समझौते प्रधानमंत्री के विकास भी, विरासत भी के विजन को आगे बढ़ाते हैं।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर तकनीकी नवाचार का समन्वय करना

डॉ. जितेंद्र सिंह

11 मई को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस - 'विज्ञान टेक', भारत द्वारा 1998 में किए गए सफल पोखरण-I परमाणु परीक्षणों के जरिए प्राप्त ऐतिहासिक तकनीकी उपलब्धि का कीर्तिगान करता है। यह अवसर भारत की विकास यात्रा को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले वैज्ञानिक नवाचार, तकनीकी प्रगति तथा विज्ञान, समाज और उद्योग के समन्वय के प्रति राष्ट्र की निरंतर प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है।

पिछले एक दशक में, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का तकनीकी इकोसिस्टम अभूतपूर्व विकास का साक्षी रहा है, जो त्वरित नवाचार, विस्तारित डिजिटल अवसंरचना तथा उभरते क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति से परिलक्षित होता है। आत्मनिर्भरता तथा वैज्ञानिक नवाचारों को वास्तविक दुनिया में प्रभावी रूप से लागू करने पर विशेष बल दिया गया है। क्वांटम संचार, अंतरिक्ष, जैव-प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा तथा जलवायु के प्रति लचीली प्रणालियों जैसे अग्रणी प्रौद्योगिकी-आधारित क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। जैव-निर्माण विकसित भारत के लिए एक महत्वपूर्ण तकनीक है, जो जैविक प्रणालियों के माध्यम से उच्च-मूल्य वाले जैव-उत्पादों, टीकों, ईंधनों और सामग्रियों के उत्पादन द्वारा सतत नवाचार, स्वास्थ्य सुरक्षा तथा सशक्त जैव-अर्थव्यवस्था को सक्षम बनाती है। चंद्रयान-3 मिशन में भारत की सफलता तथा हाल की उपलब्धियाँ, जैसे कलपक्कम स्थित स्वदेशी प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर में क्रिटिकलिटी प्राप्त करना, रणनीतिक क्षेत्रों में देश की प्रगति और दीर्घकालिक तकनीकी आत्मनिर्भरता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को और अधिक रेखांकित करती हैं।

मेष राशि: मेष राशि वालों आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आपको माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। आज खर्चो के मामले में ज्यादा दरियादिली ना रखें और ना ही दूसरों के मामले में हस्तक्षेप करें। आज बच्चे अपने मन की बात आपसे शेयर कर सकते हैं।

वृष राशि: वषभ राशि वालों आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज नकारात्मक विचारों से बचने की कोशिश करें। आज आपको अच्छी खबर मिल सकती है। रोजगार के मामले में किसी से सलाह लेंगे। अपने स्वभाव में संतुलन बनाए रखें आपके सभी काम बनेंगे अधिक क्रोध करने से बचें। आज पुत्र पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों के लिए आज का दिन बेहद खास होने वाला है। परिवार में किसी खास रिश्तेदार के आने से खुशी का माहौल बनेगा। दोस्तों और परिवार के साथ व्यस्त रहेंगे। आज बड़ा काम निपटाने की जिम्मेदारी आपको मिल सकती है। आज कुछ नए काम भी अचानक सामने आ सकते हैं। आपको सोचे हुए कामों से फायदा हो सकता है।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। वैवाहिक जीवन में मधुरता बढ़ेगी। आज राह चलते किसी अनजान व्यक्ति से बेवजह उलझने से बचें। इससे आपका ही समय बचेगा। अपनी स्थिति और योग्यता के हिसाब से ही काम करेंगे तो समाज में सम्मान मिलेगा। संयम रखने से रुकी योजनाएं सफल होंगी। किसी तरह की मानसिक उलझन से आज आपको छुटकारा मिलेगा।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहेगा। नौकरी पेशा वाले लोगों की अच्छी इनकम होगी। प्रॉपर्टी से जुड़ी समस्याओं के लिए भागदौड़ के उपरांत काम बन जायेगा। आज अपने विचारों को लेकर आप थोड़े जज्बाती भी हो सकते हैं। सगे सम्बन्धियों से अच्छे तालमेल बनेंगे। f

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज आप अपने कार्यों पर ज्यादा ध्यान देंगे। जहां तक हो सके, सकारात्मक और कॉन्फिडेंट रहें। आपके जरूरी कामकाज आज पूरे होंगे। रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। आज आस-पास के लोगों से कुछ नई बात सीखेंगे। आज आपको अपनी योजनाओं के प्रति गोपनीयता बनाये रखने की जरूरत है साथ ही किसी जरूरतमंद की सहायता करने का मौका मिलेगा।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन ठीक रहने वाला है। आज घर में रिश्तेदारों के आगमन से उत्सव भरा माहौल रहेगा। आज हर काम को योजनाबद्ध तरीके से करना तथा एकाग्र चित्त रहना आपको सफलता प्रदान करेगा। निवेश संबंधी महत्वपूर्ण योजनाएं भी सफल होंगी।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन जोश से भरा रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में लोगों से पूरा सहयोग प्राप्त होगा। आज इनकम के नए रास्ते खुलेंगे। बच्चे माता-पिता के साथ मंदिर जाएंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा। आज किस्मत आप पर मेहरबान रहेगी। आपकी अधूरी इच्छाएं पूरी हो सकती हैं। जो लोग टूर एंड ट्रेवल्स के बिजनेस से जुड़े है, उनके बिजनेस में आज तेजी आएगी।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। आज आपके खास काम मन मुताबिक तरीके से बनने वाले हैं, इसलिए मेहनत में बिल्कुल भी कमी ना करें। आज रोचक तथा ज्ञानवर्धक किताबें पढ़ने में भी कुछ समय व्यतीत करेंगे। आज जरूरी कार्य पूरा होने से मानसिक सुकून और शांति रहेगी। प्रॉपर्टी से संबंधित काम बनने की भी संभावना है।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी। आज आप ऊर्जा से भरे रहेंगे जिससे आप वो सब कुछ हासिल कर सकते हैं जो आप चाहते हैं। संचार से जुड़ी किसी नयी तकनीक से फायदा जरूर मिलेगा। आसपास और साथ के लोगों में आपकी अच्छी इमेज बनेगी।

कुम्भ राशि: कुम्भ राशि वालों आज आत्मविश्वास और उम्मीदों वाला दिन है। किसी भी स्थिति में घर के बुजुर्गों की सलाह अवश्य लें, आपको बढ़िया सलाह मिलेगी। आज भावनाओं में आकर किसी से वादा ना करें। आज आप फिजूलखर्ची से दूर रहे और उचित बजट बनाकर चलें। किसी नए काम की शुरुआत के लिए उचित समय का इंतजार करें। आज आपको कुछ नए अनुभव की प्राप्ति होगी।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज का दिन नई सौगात लेकर आया है। आज आपके मन में बहुत सी सकारात्मक भावनाएं आएंगी। लवमेट के लिए आज का दिन अनुकूल है। आज आप किसी के साथ बेवजह न उलझे और अपने ईगो पर काबू रखें। आज अधिक सोचने विचारने से महत्वपूर्ण उपलब्धि हाथ से भी निकल सकती है। आज सही निर्णय लेना बहुत जरूरी है।

(विचार-मंथन) भारत का विदेशी मुद्रा भंडार दयनीय स्थिति में

– सनत जैन

– एनआरआई के लिए डॉलर बांड

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले ढाई महीनों में तेजी से घटकर लगभग 550 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। यह स्थिति केंद्र सरकार और रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया के लिए चिंता का विषय है। विदेशी मुद्रा भंडार देश की आर्थिक मजबूती का महत्वपूर्ण आधार है। इसी के सहारे आयात, अंतर्राष्ट्रीय भुगतान और मुद्रा विनिमय दर को स्थिर रखने में होता है। इसका असर आयात और निर्यात दोनों पर पड़ता है। अमेरिका और ईरान के बीच जब युद्ध चल रहा है, ऐसी स्थिति में वैश्विक बाजार में अस्थिरता, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और डॉलर की मजबूती के कारण भारत पर आर्थिक दबाव बढ़ रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट भारत की अर्थ व्यवस्था के लिए गंभीर संकट का संकेत है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का 85 फ़ीसद हिस्से का आयात करता है। खाद भी बड़े पैमाने पर भारत को आयात करनी होती है। पेट्रोलियम, खाद और गैस के आयात में भारी मात्रा में डॉलर की जरूरत होती है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। विदेशी मुद्रा पर दबाव बढ़ रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार कमी सरकार और रिजर्व बैंक को वैकल्पिक उपायों पर विचार करने पर मजबूर कर रहे हैं। इसी क्रम में डॉलर बॉन्ड जारी करने की योजना सामने आई है। विदेशों में बसे भारतीयों (एनआरआई) को बांड बेचकर सरकार डॉलर का भंडार बढ़ाना चाहती है। यह योजना सरकार और रिजर्व बैंक के लिए अल्पकालिक राहत देने वाली होगी। एनआरआई निवेशकों से डॉलर प्राप्त कर सरकार विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत करने का प्रयास करेगी। इससे तत्काल डॉलर की उपलब्धता बढ़ सकती है। रुपये पर पड़ रहा दबाव कुछ कम हो सकता है। भारत वित्तीय स्थिति को तत्काल नियंत्रित करने में सफल हो सकता है। लेकिन आगे चलकर अर्थव्यवस्था में दोहरा दबाव भी पड़ सकता है। इस योजना के साथ कई जोखिम भी हैं। सबसे बड़ा खतरा विनिमय दर का है। पिछले कुछ वर्षों में डॉलर, लगातार रुपये के मुकाबले मजबूत हुआ है। भविष्य में रुपये की कमजोरी जारी रहती है, तो सरकार को बॉन्ड का भुगतान मांग के अनुसार करने पर ज्यादा डॉलर भुगतान करना पड़ेगें। इसमें सरकार को केवल ब्याज ही नहीं, बल्कि विनिमय दर मे भी नुकसान उठाना पड़ सकता है। यह स्थिति भविष्य में वित्तीय दबाव को और बढ़ा सकती है। विदेशी मुद्रा संकट से निपटने के लिए केवल उधारी आधारित समाधान लंबे समय तक प्रभावी नहीं हो सकते हैं। आवश्यकता इस बात की है, भारत को निर्यात बढ़ाने और आयात पर निर्भरता घटाने, घरेलू उत्पादन को मजबूत करने की दिशा में ज्यादा ध्यान देना होगा। ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, विनिर्माण क्षेत्र का विस्तार, निर्यात बढ़ाने और वैश्विक निवेश आकर्षित करने की दिशा में दीर्घकालीन ठोस कदम उठाने जरूरी हैं।सरकार और रिजर्व बैंक को समझना होगा, विदेशी मुद्रा भंडार केवल आंकड़ों का खेल नहीं है। यह देश के आयात-निर्यात भुगतान के संतुलन तथा आर्थिक विश्वसनीयता का प्रतीक है। यदि विदेशी मुद्रा भंडार लगातार घट रहा है तो उसे संभालने के लिए बार-बार बाहरी संसाधनों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। यह दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता के लिए अच्छा संकेत नहीं है। इसलिए डॉलर बॉन्ड तत्काल मलहम का काम कर सकता है। यह स्थायी समाधान नहीं है। भारत को अपनी आर्थिक नीतियों को बेहतर एवं मजबूत बनाना होगा। विदेशी मुद्रा भंडार आयात-निर्यात भुगतान संतुलन एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था में विदेशी मुद्रा का भंडार होना ही चाहिए। पिछले कुछ महीनों से जिस तरह से देश को अर्थ संकट का सामना कर रहा है, विदेशी मुद्रा भंडार लगातार घट रहा है। विदेशी निवेशक भारत से भाग रहे हैं। निर्यात की तुलना में आयात लगातार बढ़ रहा है। भारत सरकार के ऊपर देसी और विदेशी कर्ज बढ़ता जा रहा है। रुपए के मुकाबले डॉलर की कीमत तेजी से बढ़ रही है।

सुवेंदु अधिकारी मुख्यमंत्री बनते ही एक्शन में, भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए बीएसएफ को भूमि सौंपने की प्रक्रिया आज से शुरू होगी

कोलकाता (ए.)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को घोषणा की कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को भूमि सौंपने की प्रक्रिया आज से शुरू होगी और 45 दिनों के भीतर पूरी हो जाएगी। यह निर्णय भाजपा के उस प्रमुख चुनावी वादे को पूरा करता है जो बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ से निपटने पर केंद्रित था। विधानसभा चुनावों में भाजपा की शानदार जीत के कुछ दिनों बाद, नबन्ना (राज्य सचिवालय) में पहली कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करते हुए, अधिकारी ने कहा कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए आवश्यक भूमि पर बीएसएफ का पूर्ण नियंत्रण होगा। अधिकारी ने बताया कि आज हुई हमारी पहली कैबिनेट बैठक में हमने बीएसएफ को जमीन हस्तांतरित करने का फैसला लिया है। यह प्रक्रिया आज से शुरू हो रही है और अगले 45 दिनों के भीतर पूरी हो जाएगी। एक बार यह प्रक्रिया पूरी हो जाने पर, बीएसएफ सीमा पर बाड़ लगाने का काम पूरा कर लेगी और अवैध घुसपैठ की समस्या का समाधान अल्पकाल में हो जाएगा। मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने के बाद सीएम अधिकारी की पश्चिम बंगाल के डीजीपी समेत तमाम पुलिस अधिकारियों के साथ यह पहली आमने-सामने वाली मीटिंग होगी। जिसमें पुलिस अधिकारियों को पुराने तरीके छोड़ते हुए लोगों को सुरक्षत माहौल देते हुए नई पुलिसिंग में आना होगा। सूत्रों का कहना है कि जल्द ही पश्चिम बंगाल की पुलिस में बड़े स्तर पर फेरबदल होगा। जिसमें टॉप से बॉटम लेवल तक ऐसे पुलिस अधिकारियों की लिस्ट भी तैयार की जा रही है। जिन्हें अहम जिम्मेदारियां दी जाएंगी। ऐसे पुलिस अफसरों को मेन ड्यूटी में तैनात नहीं किया जाएगा, जिनका रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा। सूत्रों का कहना है कि एक तरह से यह मीटिंग ममता बनर्जी शासनकाल से पुलिस अधिकारियों को बीजेपी शासनकाल में ट्रांसफर करने के लिए भी होगी। जिससे की राजनीति से उपर उठकर राज्य में कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाने पर ध्यान देना।

अभी तैनात रहेगी पैरामिलिट्री फोर्स

पश्चिम बंगाल में भले ही बीजेपी की सरकार बन गई हो, लेकिन राज्य में अभी भी खतरा बरकरार है। इसे देखते हुए अभी कुछ समय तक राज्य में सीआरपीएफ और बीएसएफ समेत सीएपीएफ की कम से कम 500 कंपनिया तैनात रखी जाएंगी।

वाराणसी में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के तहत आयोजित सोमनाथ संकल्प महोत्सव के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल.

वाराणसी में पीडब्ल्यूडी का बड़ा एक्शन, हैवी फोर्स की तैनाती के बीच वक्फ संपत्ति पर चला पीला पंजा

लखनऊ (ए.)। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और जिला प्रशासन ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी के घनी आबादी वाले दलमंडी क्षेत्र में स्थित वक्फ बोर्ड द्वारा संचालित मुसाफिर खाना से जुड़ी संपत्तियों को निशाना बनाते हुए एक बड़ा विध्वंस अभियान शुरू किया। नगरपालिका के निर्देशों के अनुसार अतिक्रमण की गई भूमि को वापस लेने या अनधिकृत निर्माणों को हटाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे इस अभियान ने ऐतिहासिक वाणिज्यिक जिले को उच्च सुरक्षा क्षेत्र में बदल दिया है। व्यवस्था बनाए रखने के लिए अर्धसैनिक बलों, प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी (पीएसी), स्थानीय पुलिस इकाइयों और जिला प्रशासन के अधिकारियों सहित 300 से अधिक कर्मियों को तैनात किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था के बारे में बताते

हुए एसीपी दशाश्वमेध ने कहा कि पीडब्ल्यूडी की कार्रवाई के दौरान किसी भी प्रकार की कानून-व्यवस्था की गड़बड़ी को रोकने के लिए हमने बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की है। चिन्हित ढांचों को हटाया जा रहा है, इसलिए स्थिति नियंत्रण में है। एसीपी अतुल अंजन त्रिपाठी ने पुष्टि की कि विध्वंस सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं के पूरा होने के बाद किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह एक वक्फ संपत्ति, मुसाफिर खाना है, जिस पर विध्वंस कार्य चल रहा है। संबंधित विभाग ने कानूनी प्रक्रिया पूरी कर ली है और पर्याप्त समय देने के बाद आज विध्वंस कार्रवाई शुरू की गई है। एसीपी त्रिपाठी के अनुसार, उच्च स्तरीय सुरक्षा उपायों में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती, लोगों की आवाजाही को सीमित करने के लिए बैरिकेडिंग और ड्रोन के माध्यम से निगरानी शामिल है। पीडब्ल्यूडी के कार्यकारी अभियंता केके सिंह ने कहा कि इसके लिए उचित समय दिया गया था और आज विध्वंस की कार्रवाई जारी है यह कार्रवाई लगातार दो दिनों से चल रही है। इस बीच, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश में जारी बुलडोजर न्याय पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। 3 फरवरी को न्यायालय ने टिप्पणी की कि नवंबर 2024 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी प्रतिबंध के बावजूद दंडात्मक विध्वंस जारी हैं।

सुवेंदु अधिकारी के सहयोगी की हत्या: 3 आरोपी 13 दिन की पुलिस हिरासत में, यूपी बिहार से हुई थी गिरफ्तारी

कोलकाता (ए.)। बारासात की एक अदालत ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार तीन आरोपियों को 13 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। अदालत ने आरोपियों - मयंक राज मिश्रा, विक्की मौर्य और राज सिंह - को बिहार और उत्तर प्रदेश से गिरफ्तारी के बाद न्यायपालिका के समक्ष पेश किए जाने के बाद 24 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। लोक अभियोजक अधिवक्ता बिवास चटर्जी ने बताया कि अभियोजन पक्ष ने सबूत नष्ट करने से संबंधित अतिरिक्त आरोप लगाने की भी मांग की थी, जिसे अदालत ने जोड़ दिया है। चटर्जी ने पत्रकारों से कहा कि तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है और अदालत ने उन्हें 24 मई तक यानी 13 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। हमने सबूत नष्ट करने से संबंधित धारा जोड़ने की भी मांग की थी, जिसे अदालत ने जोड़ दिया है। पुलिस के अनुसार, ये गिरफ्तारियां मध्यमग्राम पुलिस स्टेशन में दर्ज केस संख्या 353 दिनांक 6 मई के संबंध में की गई हैं, जो भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और शस्त्र अधिनियम की कई धाराओं के तहत दर्ज की गई है। मयंक राज मिश्रा और विक्की मौर्य को बिहार के बक्सर से हिरासत में लिया गया, जबकि राज सिंह को उत्तर प्रदेश के बलिया से 10 मई को जांच के आधार पर गिरफ्तार किया गया। सोमवार सुबह पूछताछ के बाद तीनों को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। भारतीय वायुसेना के पूर्व जवान और सुवेंदु अधिकारी के सहयोगी चंद्रनाथ रथ की 6 मई की देर रात मध्यग्राम के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई। बाद में अस्पताल में उन्होंने दम तोड़ दिया।

अधिकारी ने इस हत्या को सुनियोजित हत्या करार देते हुए आरोप लगाया कि रथ को उनके साथ संबंध और भवानीपुर में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर उनकी राजनीतिक जीत के कारण निशाना बनाया गया था। अधिकारी ने पहले कहा था, यह एक सुनियोजित ऑपरेशन था। कई दिनों तक रेकी की गई और पीड़ित का पीछा करने के बाद उसे करीब से गोली मार दी गई। सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस ने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए घटना की अदालत की निगरानी में सीबीआई जांच की मांग की है। पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने भी न्यायिक निगरानी में स्वतंत्र जांच और इसमें शामिल लोगों के लिए कड़ी सजा की मांग की है।

अचानक दिल्ली आकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से क्यों मिले मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला?

नई दिल्ली (ए.)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच जम्मू-कश्मीर से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के बीच हुई बैठक को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि केंद्र सरकार के पास जम्मू-कश्मीर सरकार की कई महत्वपूर्ण फाइलें अंतिम मंजूरी के लिए लंबित हैं। नेशनल कांफ्रेंस के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन कानून 2019 के तहत अब तक कार्य संचालन नियम तय नहीं होने से वर्ष 2024 में निर्वाचित सरकार बनने के बाद से प्रशासनिक कामकाज प्रभावित हो रहा है। नेता ने कहा कि कई विभागों में मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल की भूमिकाएं स्पष्ट रूप से तय नहीं हैं, जिससे शासन व्यवस्था में दिक्कतें आ रही हैं और मुख्यमंत्री के लिए अपने अधिकारों का प्रभावी इस्तेमाल करना मुश्किल हो रहा है। बताया जा रहा है कि जम्मू-कश्मीर सरकार आरक्षण नीति से जुड़ी उस तीन सदस्यीय समिति की सिफारिशों पर भी केंद्र की अंतिम मंजूरी का इंतजार कर रही है, जिसे पिछले वर्ष अप्रैल में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को भेजा गया था। इस रिपोर्ट का उद्देश्य मौजूदा आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा करना था, जिसके कारण सरकारी शिक्षण संस्थानों और विभागों में ओपन मेरिट वर्ग की हिस्सेदारी घटकर 30 प्रतिशत रह गई थी। उमर अब्दुल्ला सरकार ने अक्टूबर 2024 में सत्ता संभालने के बाद ओपन कैटेगरी की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत तक बढ़ाने के सुझाव देने के लिए एक उपसमिति का गठन किया था। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर सरकार ने नए महाधिवक्ता की नियुक्ति से जुड़ी फाइल भी केंद्र को भेज रखी है, लेकिन मंजूरी नहीं मिलने के कारण वर्ष 2024 से यह पद खाली है। हम आपको यह भी बता दें कि मुख्यमंत्री ने दिल्ली रवाना होने से पहले श्रीनगर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा था कि वह केंद्र शासित प्रदेश से संबंधित सभी प्रमुख विषयों को गृह मंत्री के समक्ष उठाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य का दर्जा बहाल करने का मुद्दा भी उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा।

फिल्म इंडस्ट्री को बड़ा झटका, सड़क हादसे में 31 साल के मशहूर एक्टर की हुई मौत

नई दिल्ली (आरएनएस)। तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री से बेहद दुखद खबर सामने आई है। युवा अभिनेता भरत कांत और प्रसिद्ध सिनेमैटोग्राफर त्रिलोक की एक भीषण सड़क हादसे में मौत हो गई। इस हादसे के बाद फिल्म जगत में शोक की लहर दौड़ गई है और फैंस सोशल मीडिया पर दोनों कलाकारों को श्रद्धांजलि दे रहे हैं।पुलिस के अनुसार यह हादसा हैदराबाद आउटर रिंग रोड पर बेंगलुरु गेट के पास एग्जिट नंबर-12 के निकट हुआ। बताया जा रहा है कि भरत कांत और त्रिलोक कार से नेल्लोर से हैदराबाद लौट रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार कंटेनर ट्रक ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयावह थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही आदिबटला पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया।

मुख्यमंत्री विजय ने तमिलनाडु विधानसभा में विधायक के तौर पर शपथ ली

चेन्नई (आरएनएस)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने के एक दिन बाद टीवीके प्रमुख सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को विधानसभा के पहले सत्र के दौरान विधानसभा सदस्य के तौर पर शपथ ली। नए चुने गए विधायकों के लिए शपथ ग्रहण समारोह विधानसभा हॉल में प्रोटेम स्पीकर करुपैया की देखरेख में हुआ, जिन्होंने सदस्यों को शपथ दिलाई। इस कार्यवाही के साथ ही हाल ही में हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के बाद नई विधानसभा की औपचारिक शुरुआत हो गई। विजय ने पेरम्बूर विधानसभा क्षेत्र से विधायक के तौर पर शपथ ली। उन्होंने चुनावों में पेरम्बूर और त्रिची ईस्ट, दोनों सीटों से जीत हासिल करने के बाद पेरम्बूर सीट को ही अपने पास रखने का फैसला किया था। पेरम्बूर से ही प्रतिनिधि के तौर पर बने रहने के अपने फैसले के बाद उन्होंने त्रिची ईस्ट सीट से इस्तीफा दे दिया, जिससे वहां उपचुनाव का रास्ता साफ हो गया। विजय के शपथ लेने के तुरंत बाद टीवीके के वरिष्ठ नेता एन. आनंद ने टी नगर क्षेत्र से विधायक के तौर पर शपथ ली जबकि आधव अर्जुन ने विल्लीवाक्कम क्षेत्र से विधायक के तौर पर शपथ ली। विधानसभा में काफी उत्साह का माहौल था क्योंकि नए चुने गए सदस्य पहली बार सदन में आए थे।

होर्मुज जलडमरूमध्य संकट के बीच मोदी सरकार ने देश को दिया भरोसा- देश में पेट्रोल, डीजल और गैस का पर्याप्त भंडार

नई दिल्ली (ए.)। ऊर्जा आपूर्ति और ईंधन प्रबंधन को लेकर आयोजित अंतर मंत्रालयी बैठक में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने नागरिकों से अपील की है कि जहां तक संभव हो निजी वाहनों का कम उपयोग करें और सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता दें। मध्य पूर्व में जारी तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बिगड़ती स्थिति के बीच केंद्र सरकार ने आज देश की ऊर्जा आपूर्ति को लेकर लोगों की चिंताओं को दूर करने का प्रयास किया। सरकार ने भरोसा दिलाया कि देश में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है और आम उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। इसी के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस अपील को भी दोहराया गया, जिसमें उन्होंने देशवासियों से पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने तथा ऊर्जा संरक्षण को जन

आंदोलन बनाने का आग्रह किया है। ऊर्जा आपूर्ति और ईंधन प्रबंधन को लेकर आयोजित अंतर मंत्रालयी बैठक में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने नागरिकों से अपील की है कि जहां तक संभव हो निजी वाहनों का कम उपयोग करें और सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता दें। उन्होंने लोगों से मेट्रो और अन्य सार्वजनिक यातायात सेवाओं का अधिक इस्तेमाल करने, कार साझा करने की व्यवस्था अपनाने तथा माल ढुलाई के लिए रेलवे को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। इसके अलावा उन्होंने इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को भी बढ़ावा देने की बात कही। सुजाता शर्मा ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों के कारण देश की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा है और ऐसे समय में ऊर्जा बचत बेहद जरूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि यदि नागरिक अपने दैनिक जीवन में ईंधन की खपत कम करने का प्रयास करें तो इससे देश पर पड़ रहे आर्थिक बोझ को काफी हद तक कम किया जा सकता है सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि देश में कच्चे तेल और ईंधन का भंडार पूरी तरह सुरक्षित और पर्याप्त है। सुजाता शर्मा के अनुसार सरकार ने बीते दिनों में कई प्रभावी कदम उठाए हैं ताकि ईंधन आपूर्ति सामान्य बनी रहे और आम लोगों को किसी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े।

एआई से ऊर्जा खपत में होगी भारी वृद्धि, भारत को अभी से करनी होगी तैयारी : अदाणी

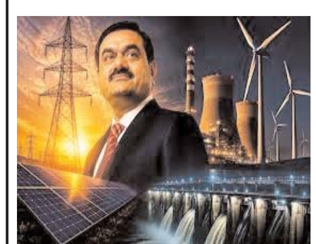

नई दिल्ली,(ए.)। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने सोमवार को कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मोबाइल डेटा विस्फोट जैसी क्रांति लाएगा, जिससे ऊर्जा की खपत में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, गौतम अदाणी ने एक दशक पहले के मोबाइल डेटा विस्फोट का उदाहरण दिया, जहाँ स्मार्टफोन के किफायती होने, नेटवर्क विस्तार और डेटा कीमतों में गिरावट से खपत में जबरदस्त उछाल आया था। उन्होंने कहा कि एआई भी इसी तरह की वृद्धि लाएगा, लेकिन यह वृद्धि कहीं अधिक ऊर्जा खपत करने वाली होगी। अदाणी ने चेतावनी दी कि डेटा सेंटर की क्षमता, जिसके 2030 तक 5 गीगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है, 2047 तक लगभग 75 गीगावाट तक बढ़ सकती है, इसीलिए भारत को अभी से तैयारी करनी होगी।अदाणी समूह के प्रमुख ने भारत की विकास गाथा पर कहा कि देश आम परिवारों, फैलते शहरों, सक्रिय कारखानों, इलेक्ट्रिक वाहनों और विस्तार की प्रतीक्षा कर रहे लाखों छोटे व्यवसायों के लिए लगातार विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में एक बड़ा फायदा यह है कि हम जो कुछ भी बनाएंगे, उसकी मांग पहले से ही मौजूद होगी, और चुनौती क्षमता का निर्माण कर इस मांग को पूरा करने की है। ऊर्जा क्षेत्र में भारत की प्रगति का उल्लेख करते हुए अदाणी ने बताया कि मार्च 2026 तक स्थापित ऊर्जा क्षमता 500 गीगावाट से अधिक हो गई है, जो बीते 10 वर्षों में 53 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्शाती है। कहा कि भारत अपनी इस क्षमता को 4 गुना तक बढ़ाकर 2047 तक 2,000 गीगावाट तक पहुंचाने के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। अदाणी ने देश की जीडीपी वृद्धि की दिशा को अभूतपूर्व बताया।

सुजाता शर्मा, संयुक्त सचिव, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में पश्चिम एशिया में हाल के घटनाक्रमों पर आयोजित अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग को संबोधित करती हुई।

एसआईआर में कितने वोट डिलीट हुए और जीत का मार्जिन क्या रहा? ममता ने सुप्रीम कोर्ट में अब क्या दावा कर दिया

नई दिल्ली (ए.)। सुप्रीम कोर्ट में भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमलया बागची की पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान किया गया। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, टीएमसी नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता कल्याण बनर्जी ने बताया कि 31 निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा की टीएमसी पर जीत का अंतर एसआईआर निर्णय प्रक्रिया में मतदाता सूची से हटाए गए व्यक्तियों की संख्या से कम था। उन्होंने आगे कहा कि कई मामलों में हटाए गए व्यक्तियों की संख्या और हार का अंतर लगभग बराबर था। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने सोमवार को दावा किया कि मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) में किए गए विलोपन ने पश्चिम बंगाल के कुछ विधानसभा क्षेत्रों में परिणामों को काफी हद तक प्रभावित किया है। यह दावा सुप्रीम कोर्ट में भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमलया बागची की पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान किया गया। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, टीएमसी नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता कल्याण बनर्जी ने बताया कि 31 निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा की टीएमसी पर जीत का अंतर एसआईआर निर्णय प्रक्रिया में मतदाता सूची से हटाए गए व्यक्तियों की संख्या से कम था। उन्होंने आगे कहा कि कई मामलों में हटाए गए व्यक्तियों की संख्या और हार का अंतर लगभग बराबर था। बनर्जी ने बताया कि एक निर्वाचन क्षेत्र में एक उम्मीदवार 862 वोटों से हार गया, जहां निर्णय के लिए 5432 से अधिक व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए थे। उन्होंने दावा किया कि टीएमसी और भाजपा के बीच वोटों का अंतर लगभग 32 लाख था और लगभग 35 लाख अपीलें अपीलीय न्यायाधिकरणों के समक्ष लंबित थीं। सांसद ने न्यायमूर्ति बागची द्वारा पहले की गई उस टिप्पणी का भी हवाला दिया कि यदि जीत का अंतर हटाए गए मतदाताओं की संख्या से कम है, तो मामले की न्यायिक जांच की आवश्यकता हो सकती है।

रंगासामी 13 मई को बनेंगे पुडुचेरी का मुख्यमंत्री, राष्ट्रपति मुर्मू ने दी मंजूरी

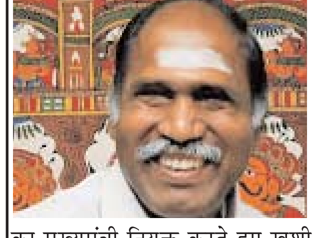

पुडुचेरी, (आरएनएस)। सरकारी नोटिफिकेशन के मुताबिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एन रंगासामी को पुडुचेरी का मुख्यमंत्री नियुक्त किया. गृह मंत्रालय के नोटिफिकेशन में कहा गया, राष्ट्रपति एन रंगासामी को शपथ लेने की तारीख से केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी का मुख्यमंत्री नियुक्त करते हुए खुशी है. आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि नोटिफिकेशन के बाद लेफ्टिनेंट गवर्नर के कैलाशनाथन ने रंगासामी को सरकार बनाने के लिए बुलाया है.सूत्रों ने बताया कि रंगासामी 13 मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे. 9 अप्रैल को हुए केंद्र शासित प्रदेश चुनाव में ऑल इंडिया एन.आर. कांग्रेस की अगुवाई वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की आसान जीत के बाद रंगासामी पांचवीं बार मुख्यमंत्री बनने वाले हैं। ऑल इंडिया एन.आर. कांग्रेस (एआईएनआरसी) ने जिन 16 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से 12 पर जीत हासिल की और बीजेपी ने जिन 10 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से चार पर जीत हासिल की. एनडीए के दूसरे घटक ऑल इंडिया एन.आर. कांग्रेस और लचिया जननायगा काची ने एक-एक सीट जीती, जिससे 30 सदस्यों वाले सदन में गठबंधन की सीटों की संख्या 18 हो गई. इसके अलावा, तीन नॉमिनेटेड सदस्य भी होंगे. विपक्षी द्रविड़ मुनेत्र कड़गम ने पांच और कांग्रेस ने एक सीट जीती।

26/11 के अनसुने नायकों की कहानी लेकर आ रहीं कंगना रनौत

- 'भारत भाग्य विधाता' की रिलीज डेट घोषित

मुंबई (ए.)। अभिनेत्री कंगना रनौत एक बार फिर बड़े पर्दे पर देशभक्ति और साहस से जुड़ी कहानी लेकर आ रही हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की रिलीज डेट का आधिकारिक ऐलान कर दिया गया है। फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए इसकी घोषणा की। पोस्टर के साथ जारी संदेश में बताया गया कि यह साधारण लोगों की असाधारण बहादुरी की कहानी है। उस रात की कहानी, जब इंसानियत डर से बड़ी बन गई, जब जिम्मेदारी बलिदान में बदल गई और जब साहस ने सैकड़ों जिंदगियां बचाईं। फिल्म को भारत के उन असली नायकों को समर्पित बताया गया है, जिनकी बहादुरी की चर्चा अक्सर इतिहास में दबकर रह गई।

'भारत भाग्य विधाता' सच्ची घटनाओं से प्रेरित फिल्म है, जो 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए आतंकी हमलों की पृष्ठभूमि पर आधारित है। हालांकि फिल्म का केंद्र हथियारों और हिंसा पर नहीं, बल्कि उन आम लोगों के साहस और मानवीय संवेदनाओं पर है, जिन्होंने संकट की घड़ी में दूसरों की जान बचाने के लिए अपनी जिंदगी दांव पर लगा दी थी। फिल्म की कहानी मुख्य रूप से मुंबई के कामा अस्पताल के अंदर घटित घटनाओं को दर्शाती है। जिस समय बाहर आतंकवादी अंधाधुंध गोलियां चला रहे थे, उसी दौरान अस्पताल के भीतर डॉक्टरों, नर्सों और कर्मचारियों ने हिम्मत नहीं हारी। बिना हथियारों के उन्होंने करीब 400 मरीजों और उनके परिजनों की जान बचाने के लिए पूरी रात संघर्ष किया।

फिल्म अस्पताल के उन गुमनाम नायकों को श्रद्धांजलि देती है, जिनमें नर्सें, वार्ड बॉय, सफाईकर्मी, लिफ्ट ऑपरेटर, सुरक्षा गार्ड और प्रशासनिक कर्मचारी शामिल थे। उनके पास वहां से भाग जाने का मौका था, लेकिन उन्होंने अपने कर्तव्य को प्राथमिकता देते हुए मरीजों के साथ खड़े रहने का फैसला किया। फिल्म में कंगना रनौत एक नर्स की भूमिका निभाती नजर आएंगी। अपने किरदार और फिल्म के विषय पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि असली बहादुरी हमेशा शोरगुल वाली नहीं होती, बल्कि कई बार वह बेहद शांत और जिम्मेदारी से भरी होती है। कंगना के मुताबिक, यह फिल्म उन लोगों की कहानी है जो आतंक और जिंदगी के बीच ढाल बनकर खड़े रहे। उन्होंने कहा कि यह देशभक्ति का सबसे सच्चा रूप है, जहां कर्तव्य कर्म बन जाता है। अभिनेत्री ने फिल्म का हिस्सा बनने पर गर्व जताते हुए कहा कि वह दर्शकों के साथ इस कहानी को बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

'बंदर' में बॉबी के लुक की जमकर तारीफ की सनी देओल ने

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'बंदर' का टीजर साझा करते हुए छोटे भाई बॉबी देओल की जमकर तारीफ की। सनी ने पोस्ट के साथ लिखा, "लुकिंग सो गुड माय लॉर्ड बॉबी।" सनी देओल का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस भी दोनों भाइयों के बीच के प्यार को काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं सनी देओल के बेटे और अभिनेता करण देओल ने भी अपने चाचा बॉबी

देओल के अभिनय और लुक की तारीफ की। करण ने इंस्टाग्राम पर टीजर शेयर करते हुए लिखा, "वाह! 'बंदर' का बेसब्री से इंतजार है। बॉबी चाचा, आप कमाल लग रहे हो।" करण की इस प्रतिक्रिया ने भी फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा है। फिल्म 'एनिमल' की सफलता के बाद बॉबी देओल लगातार डार्क और इंटेंस किरदारों में नजर आ रहे हैं। 'बंदर' में भी उनका एक अलग और रहस्यमयी अंदाज देखने को मिल रहा है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है।

टीजर की शुरुआत बेहद मनोरंजक माहौल के साथ होती है, जिसमें बॉबी देओल समीर मेहरा नाम के किरदार में दिखाई देते हैं। उनका लुक 70 के दशक के डिस्को स्टार जैसा नजर आता है और वह मंच पर परफॉर्म करते दिखाई देते हैं। हालांकि कुछ ही देर में कहानी अचानक रहस्य और तनाव से भर जाती है। टीजर में दिखाया गया है कि समीर मेहरा एक डेटिंग ऐप के जरिए कुछ लड़कियों से मिलता है। शुरुआत में सब कुछ सामान्य दिखाई देता है, लेकिन धीरे-धीरे यही मुलाकातें उसकी जिंदगी में बड़ी परेशानी खड़ी कर देती हैं। वह कानूनी विवादों में फंस जाता है और टीजर में उसकी गिरफ्तारी भी दिखाई गई है। फिल्म की कहानी आगे बढ़ने के साथ रहस्य, मनोवैज्ञानिक तनाव और सस्पेंस से भरती जाती है। हर दृश्य दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ाता है।

फिल्म में बॉबी देओल के साथ सान्या मल्होत्रा, राज बी शेट्टी, सपना पब्बी, सबा आजाद, रिद्धि सेन, जितेंद्र जोशी, इंद्रजीत और नागेश भोसले भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने लिखी है, जबकि निर्देशन अनुराग कश्यप ने किया है। 'बंदर' का निर्माण निखिल द्विवेदी की सैफ्रॉन मैजिकवर्क्स ने किया है और इसे जी स्टूडियोज प्रस्तुत कर रहा है। फिल्म 5 जून 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि अभिनेता बॉबी देओल अपनी आगामी फिल्म 'बंदर' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। फिल्म का टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर इसकी जबरदस्त चर्चा शुरू हो गई है। दर्शकों से लेकर फिल्म इंडस्ट्री तक हर कोई बॉबी देओल के नए और दमदार अवतार की सराहना करता नजर आ रहा है।

निया शर्मा और अंकिता लोखंडे ने जताया मां के प्रति सम्मान

मुंबई (ए.)। चर्चित अभिनेत्रियां निया शर्मा और अंकिता लोखंडे ने इन दिनों कलर्स टीवी के लोकप्रिय शो 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' का हिस्सा हैं। दोनों अभिनेत्रियों ने 'मदर्स डे' के मौके पर अपनी माताओं के प्रति गहरा प्रेम और आभार व्यक्त किया है। अपने बोल्ड अंदाज और बेबाक व्यक्तित्व के लिए मशहूर निया शर्मा ने कहा कि उनका निडर स्वभाव उन्हें अपनी मां से विरासत में मिला है। निया के अनुसार उन्होंने अपनी मां को हमेशा मुश्किल परिस्थितियों का मजबूती से सामना करते देखा है और उसी साहस ने उनके आत्मविश्वास की नींव रखी। उन्होंने कहा कि उनकी मां ने उन्हें जिंदगी में हर परिस्थिति से बिना डरे लड़ना सिखाया है। निया ने अपनी मां से जुड़ा एक मजेदार किस्सा भी साझा किया।

उन्होंने बताया कि एक बार परिवार के साथ यात्रा के दौरान उनकी मां 'हॉप-ऑन हॉप-ऑफ' बस में कहीं नजर नहीं आ रही थीं। पूरा परिवार घबरा गया और उन्हें ढूंढ़ने के लिए हर जगह तलाश शुरू कर दी गई। काफी देर बाद पता चला कि उनकी मां बस की छत पर आराम से बैठकर शहर के वीडियो बना रही थीं। निया ने हंसते हुए कहा कि उनकी मां हर तनावपूर्ण स्थिति को भी यादगार पल में बदल देती हैं। वहीं अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने खुद को बेहद भाग्यशाली बताते हुए कहा कि उनके जीवन में दो मां हैं।

उन्होंने कहा कि एक मां ने उन्हें जन्म दिया, जबकि दूसरी यानी उनकी सास ने उन्हें बेटी की तरह अपनाकर नया परिवार और बिना शर्त प्यार दिया। अंकिता ने कहा कि उनकी दोनों मां उनके जीवन की सबसे बड़ी ताकत और सहारा हैं। अंकिता ने भावुक होते हुए कहा कि वह हर दिन अपनी दोनों माताओं के लिए आभार महसूस करती हैं। उनके अनुसार उनकी दुआएं ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति हैं और उनकी खुशी उनके लिए सबसे ज्यादा मायने रखती है। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए बेहद खास बात है कि उन्हें अपनी दोनों मां का प्यार और आशीर्वाद मिला है।

प्रीति जिंटा ने बॉबी देओल के साथ बिताए पलों को किया याद

मुंबई (ए.)। हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने सोशल मीडिया पर एक पुरानी याद साझा करते हुए अभिनेता बॉबी देओल के साथ बिताए खास पलों को याद किया। प्रीति जिंटा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म 'सोल्जर' का एक वीडियो साझा किया। वीडियो के बैकग्राउंड में फिल्म का लोकप्रिय गीत 'महफिल में बार-बार' सुनाई दे रहा है, जिसे कुमार सानू और अलका याग्निक ने अपनी आवाज दी थी। प्रीति जिंटा की यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और फैंस भी इसे काफी पसंद कर रहे हैं। वीडियो के जरिए अभिनेत्री ने उन दिनों को याद किया, जब उन्होंने बॉबी देओल के साथ इस सुपरहिट फिल्म में काम किया था। पोस्ट साझा करते हुए प्रीति जिंटा भावुक भी नजर आईं। उन्होंने बॉबी देओल को टैग करते हुए एक मजेदार किस्सा सुनाया। अभिनेत्री ने बताया कि वह बॉबी देओल और उनकी पत्नी तान्या देओल के हनीमून के दौरान भी उनके साथ थीं। प्रीति ने मजाकिया अंदाज में लिखा कि वह हमेशा बॉबी की शुक्रगुजार रहेंगी, क्योंकि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में उनके पहले आउटडोर शूट को बेहद यादगार बना दिया था।

घुंघराले बालों से थी नफरत, अब वही बनी अनुपमा परमेश्वरन की पहचान

मुंबई (ए.)। दक्षिण भारतीय फिल्मों की चर्चित अभिनेत्री अनुपमा परमेश्वरन आज अपनी शानदार अभिनय क्षमता के साथ-साथ खूबसूरत

घुंघराले बालों के लिए भी जानी जाती हैं, लेकिन एक समय ऐसा भी था जब उन्हें अपने बाल बिल्कुल पसंद नहीं थे। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए अपने दिल की बात फैंस के साथ साझा की। अनुपमा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो में अपने कर्ली हेयर को फ्लॉन्ट किया। इसके साथ उन्होंने एक भावुक और प्रेरणादायक नोट भी लिखा। अभिनेत्री ने बताया कि बचपन और शुरुआती दिनों में वह अपने घुंघराले बालों को छिपाने की कोशिश करती थीं। उन्हें लगता था कि उनके बाल दूसरों की तरह सीधे और सामान्य होने चाहिए। यही वजह थी कि वह बार-बार अपने बालों को सीधा करने और बदलने की कोशिश करती रहती थीं।

अभिनेत्री ने लिखा कि समय के साथ उन्होंने खुद को समझना और अपनाना सीखा। उन्होंने महसूस किया कि जो चीज उन्हें सबसे अलग बनाती है, वही उनकी असली पहचान और खूबी है। अनुपमा के मुताबिक, अब उनके घुंघराले बाल उनकी सबसे पसंदीदा चीजों में शामिल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें सबसे ज्यादा खुशी तब मिलती है, जब लोग उनसे कहते हैं कि उन्हें देखकर उन्होंने भी अपने प्राकृतिक घुंघराले बालों को अपनाना शुरू किया। अभिनेत्री ने कहा कि खुद को जैसे हैं वैसे स्वीकार करना बेहद शक्तिशाली एहसास होता है और यही आत्मविश्वास दूसरों को भी खुद से प्यार करना सिखाता है। अनुपमा परमेश्वरन दक्षिण भारतीय सिनेमा में अपनी नेचुरल एक्टिंग, मासूम अंदाज और गर्ल-नेक्स्ट-डोर इमेज के लिए काफी लोकप्रिय हैं। उन्होंने मलयालम, तेलुगु और तमिल फिल्मों में अपनी अलग पहचान बनाई है। फिल्म 'प्रेमम' से मिली लोकप्रियता के बाद उन्होंने 'कार्तिकेय 2' और 'टिल्लू स्क्वायर' जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीता।

वर्कफ्रंट की बात करें तो अनुपमा जल्द ही तेलुगु रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'क्रेजी कल्याणम' में नजर आएंगी, जिसका निर्देशन बदरप्पा गजुला कर रहे हैं। इसके अलावा वह निर्माता प्रेरणा अरोड़ा की एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म में भी दिखाई देंगी, जिसकी शूटिंग मई 2026 में शुरू होने वाली है। साल 2025 अभिनेत्री के लिए बेहद सफल रहा। उनकी तमिल फिल्म 'ड्रैगन', तेलुगु फिल्म 'किष्किंधापुरी' और तमिल फिल्म 'बाइसन' को दर्शकों ने खूब पसंद किया। वहीं महिला प्रधान फिल्म 'परधा' में उनके अभिनय की विशेष सराहना हुई। इस फिल्म में उन्होंने 'सुब्बू' नाम की गांव की लड़की का किरदार निभाया था, जो समाज में पर्दा प्रथा जैसी पुरानी परंपराओं को चुनौती देती है।

म्यूजिकल ट्रायंगल लव स्टोरी के रूप में चर्चा में 'साइकिल गैप'

चेन्नई (ए.)। भारतीय दर्शक अब ऐसी फिल्मों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं, जिनमें संगीत केवल मनोरंजन का माध्यम न होकर कहानी और किरदारों की भावनाओं का अहम हिस्सा बने। बॉलीवुड फिल्म निर्देशक एम आर भारती इसी सोच के साथ अपनी नई फिल्म 'साइकिल गैप' लेकर आ रहे हैं, जो एक म्यूजिकल ट्रायंगल लव स्टोरी के रूप में चर्चा में बनी हुई है।

निर्देशक एम आर भारती ने फिल्म को लेकर कहा कि 'साइकिल गैप' एक ऐसी रिलेशनशिप ड्रामा फिल्म है, जिसमें संगीत कहानी की आत्मा की तरह काम करेगा। उनका मानना है कि कई बार इंसान अपनी भावनाओं को शब्दों में पूरी तरह व्यक्त नहीं कर पाता, लेकिन संगीत उन एहसासों को बेहद सहज तरीके से सामने ले आता है। यही वजह है कि फिल्म में गानों और बैकग्राउंड म्यूजिक को बेहद खास महत्व दिया गया है। उन्होंने बताया कि फिल्म को आधुनिक युवा दर्शकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, लेकिन इसके साथ ही इसमें पुराने दौर की क्लासिक म्यूजिकल रोमांस फिल्मों की

भावनात्मक गहराई और खूबसूरती को भी बरकरार रखने की कोशिश की गई है। एम आर भारती इससे पहले भी अपनी फिल्मों में संवेदनशील और भावनात्मक कहानियों के लिए पहचाने जाते रहे हैं। उनकी फिल्म 'अझियाधा कोलांगल 2' को दर्शकों और समीक्षकों से काफी सराहना मिली थी, जबकि हालिया फिल्म 'ड्रीम गर्ल' ने प्यार, यादों और सपनों जैसे विषयों को अनोखे अंदाज में पेश कर लोगों का ध्यान खींचा था। फिल्म के निर्माता और मुख्य अभिनेता नवाज ने भी 'साइकिल गैप' को लेकर उत्साह जताया है।

उन्होंने कहा कि उन्हें हमेशा से ऐसी म्यूजिकल लव स्टोरी पसंद रही हैं, जो लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में बनी रहें।

उन्होंने कहा कि इस फिल्म को भी उसी भावना के साथ बनाया गया है ताकि इसके किरदार और संगीत लोगों के जेहन में लंबे समय तक अपनी जगह बनाए रखें। नवाज ने कहा कि निर्देशक एम आर भारती की कहानियों में गहरी भावनाएं और रिश्तों की सच्चाई देखने को मिलती है। फिल्म में नवाज के साथ शेरी अग्रवाल मुख्य भूमिका में नजर आएंगी, जो इस फिल्म से अभिनय की दुनिया में कदम रख रही हैं। वहीं अभिनेता प्रभु शास्ता भी अहम किरदार निभाते दिखाई देंगे।

काजोल की अनोखी कलाकारी ने खींचा मेट गाला के बीच सबका ध्यान

मुंबई (ए.)। दुनियाभर में इन दिनों फैशन के सबसे बड़े मंच 'मेट गाला' की चर्चा जोरों पर है। रेड कार्पेट पर अंतरराष्ट्रीय सितारे अपने खास फैशन और स्टाइल से लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। इसी बीच बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल ने भी अपनी एक अनोखी कलाकारी के जरिए सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर ली हैं। हाल ही में काजोल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खास तस्वीर साझा की, जिसमें धागों से तैयार की गई एक खूबसूरत कलाकृति नजर आई। यह आर्टवर्क बेहद अलग और आकर्षक दिखाई दिया। अभिनेत्री ने इस पोस्ट के जरिए कारीगरों की मेहनत और हुनर की जमकर तारीफ की। तस्वीर साझा करते हुए काजोल ने लिखा कि मेट गाला का सीजन

चल रहा है, इसलिए उन्होंने भी अपनी हाथ से बनाई गई एक कलाकृति साझा की है। उन्होंने कहा कि आखिर यह सब कारीगरों की कला और मेहनत के बारे में ही तो है। अभिनेत्री ने अपनी इस पोस्ट में करीबी दोस्त और फिल्म निर्माता करण जौहर तथा मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा को भी टैग किया।

काजोल की यह पोस्ट करण जौहर और मनीष मल्होत्रा की हालिया मेट गाला उपस्थिति से जुड़ी मानी जा रही है। इस वर्ष करण जौहर ने पहली बार मेट गाला में हिस्सा लिया और अपने शानदार अंदाज से लोगों का ध्यान खींचा। इस खास अवसर पर उन्होंने मनीष मल्होत्रा द्वारा डिजाइन किया गया विशेष परिधान पहना था, जो महान चित्रकार राजा रवि वर्मा की कला से प्रेरित बताया गया।

रोमांचक मुकाबले में आरसीबी ने 2 विकेट से मारी बाजी, मुंबई इंडियंस प्लेऑफ की रेस से हुआ बाहर

नईदिल्ली, (ए.) । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 54वें मैच में मुंबई इंडियंस को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में 2 विकेट से हार का सामना करना पड़ा. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने 167 रनों के लक्ष्य को आखिरी गेंद पर 8 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

इस जीत के साथ जहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू अंक तालिका में 14 पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर पहुंच गया है, तो वहीं मुंबई इंडियंस प्लेऑफ की रेस बाहर होने वाली दूसरी टीम बन गई है. इससे पहले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स सीएसके से हारकर प्लेऑफ से बाहर हुआ था।

मुंबई के 167 रनों के जवाब में आरसीबी को लक्ष्य हासिल करने में काफी ज्यादा कठिनाई का सामना करना पड़ा. क्योंकि इस छोटे से लक्ष्य को हासिल करने के लिए 20 ओवर तक बल्लेबाजी करनी पड़ी. इस दौरान उन्होंने अपने 8 विकेट भी खो दिए. आरसीबी की शुरुआत खराब रही जिसने पावरप्ले में विराट कोहली (शून्य), देवदत्त पडिक्कल (12) और कप्तान रजत पाटीदार (08) के विकेट गंवा दिए.लेकिन कृणाल एक छोर पर डटे रहे, उन्होंने बेथेल के साथ मिलकर जिम्मेदारी संभाली. कृणाल 73 रन (46 गेंद में चार चौके और पांच छक्के) और जैकब बेथेल (27) के बीच चौथे विकेट के लिए 42 गेंद में 55 रन की भागीदारी के दम पर आरसीबी ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 167 रन बनाकर रोमांचक जीत दर्ज की।

आईपीएल में आज प्लेऑफ में जगह बनाने उतरेंगे गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद

अहमदाबाद (ए.)। आईपीएल में मंगलवार को यहां गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमों का लक्ष्य जीत के साथ ही प्लेऑफ में जगह बनाना रहेगा। दोनो ही टीमों ने अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। सनराइजर्स हैदराबाद ने 11 मैचों में 14 अंक हासिल किये है और बेहतर नेट रन रेट के कारण वह दूसरे स्थान पर है। वहीं गुजरात टाइटंस 11 मैचों में 14 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। दोनो ही टीमें तकरीबन बराबरी पर हैं ऐसे में मुकाबला रोमांचक होना तय है। इनका लक्ष्य अब ये मैच जीतकर तालिका में शीर्ष पर पहुंचना रहेगा।

शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात की बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी अच्छी रही है और वह जीत की दावेदार है। उसके पास साई सुदर्शन और जोस बटलर जैसे बल्लेबाज हैं।

वहीं पैट कमिंस की कप्तानी वाली सनराइजर्स के पास भी वैभव सूर्यवंशी ओर यशस्वी जायसवाल जैसे बल्लेबाज हैं। दोनो ही टीमों की गेंदबाजी भी अच्छी है सनराइजर्स के पास पैट कमिंट जबकि गुजरात के पास कागिसो रबाडा जैसा गेंदबाज है।

अब तक दोनो के बीच 6 मुकाबले हुए हैं उसमें से गुजरान ने 5 जबकि सनराइजर्स ने 1 जीता है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, जेसन होल्डर, राहुल तेवतिया, निशांत सिंधु, राशिद खान, अरशद खान, कागिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज।

इम्पैक्ट प्लेयर- साई किशोर

सनराइजर्स हैदराबाद

पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लासेन, नितीश कुमार रेड्डी, सलिल अरोड़ा, स्मरण रविचंद्रन, शिवांग कुमार, ईशान मलिंगा, साकिब हुसैन

तीरंदाजी विश्व कप 2026: भारतीय महिला टीम का कमाल, 2021 के बाद जीता पहला स्वर्ण पदक

शंघाई, (ए.)। भारतीय महिला रिकर्व टीम ने तीरंदाजी विश्व कप 2026 के दूसरे चरण में इतिहास रच दिया. दीपिका कुमारी, अंकिता भगत और कुमकुम मोहोद की भारतीय टीम ने मेजबान चीन को शूट-ऑफ में हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया।

रोमांचक अंतिम मुकाबले में भारत ने पहला सेट जीता, लेकिन चीन ने वापसी करते हुए मुकाबला बराबर कर दिया. निर्धारित चार सेट के बाद स्कोर बराबर रहने के कारण मैच का नतीजा शूट-ऑफ में निकला.

भारतीय टीम ने निर्णायक क्षणों में संयम बनाए रखते हुए 5-4 (28-26) से जीत दर्ज की. अनुभवी दीपिका ने दबाव के बीच अंतिम 'शूट-ऑफ' तीर पर अहम नौ अंक जुटाकर भारत को 2021 के बाद पहला विश्व कप स्वर्ण पदक दिलाया।

इससे पहले भारत ने सेमीफाइनल में रिकॉर्ड 10 बार के ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया को हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

यह टूर्नामेंट में भारत का दूसरा पदक है. इससे पहले, विश्व यूनिवर्सिटी खेलों के मौजूदा चैंपियन साहिल जाधव ने शनिवार को पुरुषों के कंपाउंड इवेंट में कांस्य पदक जीता था. कांस्य पदक के मैच में उन्होंने डेनमार्क के मार्टिन डैम्सबो को 147-144 से हराया।

अपने अभियान के दौरान, साहिल रैंकिंग राउंड में आठवें स्थान पर रहे और फिर क्वार्टरफाइनल में निको वीनर (ऑस्ट्रिया) को हराया, जिसके बाद सेमीफाइनल में उन्हें निकोलस गिरार्ड (फ्रांस) से हार का सामना करना पड़ा।

भारत एक और पदक की दौड़ में बना हुआ है. सिमरनजीत कौर दिन में बाद में सेमीफाइनल में उतरेंगी और विश्व कप में अपना पहला पदक जीतने के लिए उन्हें एक जीत की जरूरत होगी।

नेशंस कप को देखते हुए अभ्यास शिविर में तैयारी करेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय महिला हॉकी टीम को अगले माह न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में 15 से 21 जून तक एफआईएच नेशंस कप में खेलना है। इसके अलावा उसे ओलंपिक क्वालिफिकेशन की भी तैयारी करनी है। इसी को देखते हुए टीम ने एक अभ्यास शिविर लगाया है। ये इसी माह 20 मई तक चलेगा। गौरतलब है कि एफआईएच नेशंस कप जीतने वाली टीम को 2026-27 एफआईएच हॉकी प्रो लीग में सीधे प्रवेश मिलेगा। इसके बाद, प्रो लीग में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम को लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालिफिकेशन हासिल करने का अवस मिलेगा, जिससे भारतीय हॉकी के लिए नेशंव कप काफी अहम है। इसके अलावा, टीम की नजरें अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 और जापान में सितंबर-अक्टूबर में आयोजित होने वाले 2026 एशियाई खेलों पर भी लगी हैं।

मुख्य कोच शॉर्ड मारिन की देखरेख में आयोजित हो रहे इस शिविर में उन्हीं 31 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जो अप्रैल के पिछले राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा थीं। यह टीम प्रबंधन के निरंतर रवैये को दर्शाता है, जहां खिलाड़ियों की फिटनेस स्तर को और बेहतर बनाने, टीम संयोजन को मजबूत करने और तकनी कौशल में सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। अनुभवी और युवा प्रतिभा का यह मिश्रण भारतीय टीम की गहराई और लचीलेपन को दर्शाता है। गोलकीपिंग विभाग में अनुभवी सविता के साथ माधुरी किंडो, बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारीबाम मौजूद हैं,डिफेंस में निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, ज्योति सिंह, लालथंतलुआंगी और शिल्पी डबास जैसी मजबूत खिलाड़ी हैं। मिडफील्ड में कप्तान सलीमा टेटे के नेतृत्व में सुशीला चानू, मनीषा चौहान, वैष्णवी फाल्के, नेहा, साक्षी राणा, सुनीता टोप्पो और इशिका जैसी खिलाड़ी शामिल हैं। फॉरवर्ड लाइन में नवनीत कौर, दीपिका, लालरेमसियामी, मुमताज खान, दीपिका सोरेंग, बलजीत कौर, ब्यूटी डुंगडुंग, हिना बानो और संगीता कुमारी जैसी आक्रामक खिलाड़ी हैं, जिनसे गोल दागने की उम्मीद है।

आरसीबी कोच एंडी फ्लावर पर लगा जुर्माना, एमआई के खिलाफ मैच के दौरान की थी ये बड़ी गलती

नईदिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर को मैच के दौरान चौथे अंपायर से बहस करना भारी पड़ा गया. क्योंकि बीसीसीआई ने उन के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया है. मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच के दौरान चौथे अंपायर से गुस्से में बहस करने की वजह से जुर्माना लगा दिया है. IPL की आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के लिए फ्लावर की मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

आईपीएल ने अपने बयान में कहा, एंडी को आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो मैच के दौरान अश्लील शब्दों के इस्तेमाल से संबंधित है. इसी वजह से उनपर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगया गया हैं।

यह घटना 17.2 ओवर में हुई, जब करुणाल पांड्या से जुड़े एक विवादित बाउंड्री कॉल के बाद एंडी ने चौथे अंपायर से आक्रामक तरीके से बात की. गजनफर का सामना करते हुए, करुणाल ने गेंद को वाइड लॉन्ग-ऑन की ओर हवा में उछाला, जहां नमन धीर ने बाउंड्री लाइन के पास कैच लपका और फिर उसे तिलक वर्मा की ओर उछाल दिया. तिलक कैच पूरा नहीं कर पाए और उन्हें ऐसा लगा कि नमन ने छक्के का इशारा किया है. शायद उन्हें लगा कि नमन का एक जूता बाउंड्री कुशन से टकरा गया है।

आईपीएल 2026: चेपॉक में उर्विल पटेल का आया तूफान, 13 गेंदों में फिफ्टी जड़कर बदला आईपीएल का इतिहास

नईदिल्ली, (ए.) । चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज उर्विल पटेल ने आईपीएल के इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है. उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ मैच में टूर्नामेंट के इतिहास का संयुक्त रूप से सबसे तेज अर्धशतक बनाया।

इस दौरान उर्विल ने सिर्फ 13 गेंदों का सामना किया. इसके साथ उन्होंने यशस्वी जायसवाल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली. जायसवाल ने 2023 में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 13 गेंदों में अर्धशतक बनाया था।

हालांकि उर्विल पटेल की ये पारी ज्यादा देर तक नहीं चल सकी औ 23 गेंदों में 65 रन बनाकर ही आउट हो गए. इस दौरान ने उन्होंने अपनी पारी में 2 चौके और 8 छक्के लगाए. उर्विल की इस पारी की वजह से सीएसके 204 रनों के विशाल लक्ष्य को चेज करने में काफी सहज दिखी।

उर्विल ने अपनी पारी की शुरुआत धमाकेदार तरीके से की और 10 गेंद में ही 42 रन जड़ दिए. जिसके साथ वो आईपीएल के इतिहास में पहली 10 गेंद पर सबसे ज्यादा रन बनाने का एबी डिविलियर्स का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया. जिन्होंने 10 गेंद में 41 रन बनाए थे।

खेल समाचार

काठमांडू के हवाई अड्डे पर उतरते समय तुर्की एयरलाइंस के पहिये में लगी आग, हादसा टला

काठमाण्डू,(आरएनएस)। नेपाल की राजधानी काठमांडू में स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार सुबह बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यहां सुबह साढ़े 6 बजे इस्तांबुल से काठमांडू पहुंची तुर्की एयरलाइंस के विमान के पहिये में हवाई अड्डे पर उतरते समय आग लग गई, जिसके बाद तुरंत सुरक्षा उपाय लागू किए गए। मौके पर तैनात दमकल कर्मियों ने तुरंत आग पर काबू पाया और सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया। इस दौरान हवाई अड्डे को डेढ़ घंटे के लिए बंद करना पड़ा।

रिपोर्ट के मुताबिक, हवाई अड्डे पर उतरते समय उड़ान टीके726 के दाहिने मुख्य लैंडिंग गियर में आग लगी थी। नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के सहायक प्रवक्ता ज्ञानेंद्र भुल ने बताया कि इस दौरान हवाई अड्डा सुबह 8-12 बजे तक बंद कर दिया गया। उन्होंने बताया कि यात्रियों को निकासी स्लाइड से निकाला गया, जिसमें 2 यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं। कठोर लैंडिंग, टायर दबाव और अन्य तकनीकी समस्या को कारण बताया जा है। हालांकि, जांच जारी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, घटना के समय विमान में चालक दल के 11 सदस्यों समेत कुल 288 लोग सवार थे। पहिये में आग के बाद विमान का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा रनवे और शेष 70 प्रतिशत टैक्सीवे पर था, जिसके कारण सभी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रोकनी पड़ीं। इनमें दिल्ली से आने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-215 और शारजाह से आने वाली एयर अरबिया की फ्लाइट जी9 536 शामिल थीं। तकनीकी जांच जारी रहने तक तुर्की विमान उड़ान नहीं भरेगा।

रूस और यूक्रेन के बीच कैदियों की होगी अदला-बदली, कीव ने 1,000 कैदियों की लिस्ट सौंपी

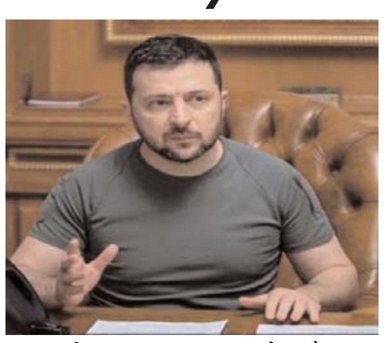

कीव (आरएनएस)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन ने रूस को कैदियों की अदला-बदली के लिए 1,000 कैदियों की लिस्ट सौंपी है। राष्ट्रपति की प्रेस सर्विस ने यह जानकारी दी। वहीं दोनों देशों ने एक-दूसरे पर तीन दिनों का सीजफायर तोड़ने का आरोप भी लगाया है। रविवार को शाम को अपने भाषण में राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा, 1,000 के बदले 1,000 कैदियों की अदला-बदली की तैयारी हो रही है और यह होनी ही चाहिए। अमेरिकियों ने इन गारंटियों की जिम्मेदारी ली है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि रूस के साथ लड़ाई खत्म होनी चाहिए और भरोसेमंद सुरक्षा की गारंटी होनी चाहिए।उन्होंने कहा, अब (रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर) पुतिन खुद कह रहे हैं कि वह आखिरकार असली मीटिंग के लिए तैयार हैं। हमने उन्हें इसके लिए थोड़ा जोर दिया और हम खुद भी लंबे समय से ऐसी मीटिंग के लिए तैयार हैं। अब एक फॉर्मेट ढूंढना होगा।रूस और यूक्रेन शुक्रवार को तीन दिन के सीजफायर और 1,000 कैदियों की अदला-बदली पर राजी हुए।

थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनवात्रा जेल से रिहा

बैंकॉक(ए.)। थाईलैंड की राजनीति के सबसे प्रभावशाली और विवादित चेहरों में से एक, पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनवात्रा को रविवार को बैंकॉक की जेल से पैरोल पर रिहा कर दिया गया। भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग के मामले में एक साल की सजा काट रहे 76 वर्षीय थाकसिन ने लगभग आठ महीने हिरासत में बिताए। उनकी रिहाई के समय बैंकॉक की क्लोंग प्रेम सेंट्रल जेल के बाहर भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच करीब 300 समर्थक और राजनीतिक सहयोगी जुटे थे, जिन्होंने वी लव थाकसिन के नारों के साथ उनका स्वागत किया।सफेद पोलो टी-शर्ट और नीली पैंट पहने थाकसिन जब जेल से बाहर निकले, तो उनके परिवार ने उनका स्वागत किया। समर्थकों ने उन्हें लाल गुलाब भेंट किए, हालांकि थाकसिन ने मीडिया से कोई औपचारिक बातचीत नहीं की। दूरसंचार क्षेत्र के अरबपति कारोबारी रहे थाकसिन 2001 में प्रधानमंत्री बने थे, लेकिन 2006 में सैन्य तख्तापलट के जरिए उन्हें सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। लगभग 15 साल के निर्वासन के बाद वे 2023 में स्वदेश लौटे थे। शुरुआत में उन्हें आठ साल की सजा सुनाई गई थी, जिसे बाद में थाईलैंड के राजा महा वजिरालोंगकोर्न ने घटाकर एक साल कर दिया था।न्याय मंत्रालय की समिति ने उनकी बढ़ती उम्र, अच्छे आचरण और खराब स्वास्थ्य को आधार मानकर उन्हें पैरोल की मंजूरी दी है।

अमेरिका को ईरान पर आसान जीत और सत्ता परिवर्तन का भरोसा नहीं दिलाया

इजराइली पीएम नेतन्याहू बोले- शुरुआत से ही जोखिमों के बारे में चेतावनी दी थी

तेल अवीव,(ए.)। ईरान युद्ध के दो महीने से ज्यादा समय बीत चुका है। बार-बार युद्धविराम के प्रयास विफल होने और होर्मुज को लेकर तनाव वैश्विक चिंताओं पर हावी रहने के बीच, इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने एक रिपोर्ट पर स्पष्टीकरण जारी किया जिसमें दावा किया गया था कि उन्होंने अमेरिका को यह विश्वास दिलाया था कि ईरान के साथ युद्ध आसान होगा और तेहरान में सत्ता परिवर्तन को गति दे सकता है।

एक इंटरव्यू में नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने शुरुआत से ही जोखिमों के बारे में चेतावनी दी थी। मेजर गैरेट के साथ बातचीत में नेतन्याहू से अखबार में प्रकाशित रिपोर्ट के बारे में पूछा गया, जिसमें ईरान पर अमेरिका और इज़राइल के संयुक्त हमलों से कुछ दिन पहले, 11 फरवरी को व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में हुई चर्चाओं का वर्णन किया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक नेतन्याहू ने यह जताते हुए ज़ोरदार प्रचार किया कि ईरान में सत्ता परिवर्तन की अपार संभावना है और अमेरिका-इजराइल के समन्वित अभियान से अंततः इस्लामी गणराज्य का पतन हो सकता है। इस दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए नेतन्याहू ने कहा कि नहीं। यह वास्तव में गलत है...यह इस मायने में गलत है कि मैंने कहा, ओह, ठीक है, यह निश्चित है कि हम ऐसा कर सकते हैं, इत्यादि।

डोनाल्ड ट्रंप 13 से 15 मई तक चीन के दौरे पर रहेंगे, ईरान युद्ध एजेंडे में

बीजिंग,(आरएनएस)। ईरान के साथ युद्ध के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस हफ्ते चीन के दौरे पर जाएंगे। चीन के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। मंत्रालय ने बताया कि ट्रंप चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर 13 मई से 15 मई तक राजकीय यात्रा पर रहेंगे। ट्रंप को यह दौरा मार्च के अंत या अप्रैल की शुरुआत में यात्रा करनी थी, लेकिन ईरान युद्ध पर ध्यान केंद्रित करने के कारण उन्होंने यात्रा रद्द कर दी थी।अमेरिका में सत्ता में वापसी के बाद ट्रंप की यह पहली चीन की 2 दिवसीय यात्रा है, जो अमेरिका-चीन संबंधों के नाजुक दौर में हो रही है। इससे पहले दोनों वैश्विक नेताओं ने अक्टूबर 2025 में दक्षिण कोरिया में मुलाकात की थी। ट्रंप की यात्रा के दौरान उनका औपचारिक स्वागत समारोह होगा और शी के साथ उनकी द्विपक्षीय वार्ता होगी। शी ने उनके लिए राजकीय भोज का आयोजन किया है। ट्रंप ऐतिहासिक स्वर्ग मंदिर तियानतान का भ्रमण भी करेंगे। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार शुल्क, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ताइवान और महत्वपूर्ण खनिजों को लेकर पहले से टकराव है, जिसको इस यात्रा के जरिए स्थिर करने की कोशिश रहेगी। यात्रा से पहले ही वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि ईरान ट्रंप के एजेंडे में प्रमुखता से शामिल रहेगा। बता दें कि चीन, ईरानी तेल का एक प्रमुख ग्राहक है, खासकर उन स्वतंत्र टीपॉट रिफाइनरियों से जो इस्लामी गणराज्य से रियायती कच्चे तेल पर निर्भर करती हैं।

ट्रंप ने अमेरिकी युद्धविराम प्रस्ताव पर ईरानी प्रतिक्रिया को खारिज किया, कहा- बिल्कुल अस्वीकार्य

वाशिंगटन, (आरएनएस)। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष को कम करने के लिए अमेरिकी युद्धविराम प्रस्ताव पर ईरान ने दिलचस्पी नहीं दिखाई है, जिससे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नाराज हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में ईरान के रुख को पूरी तरह अस्वीकार्य बताते हुए लिखा कि उन्हें ईरानी प्रतिनिधियों का जवाब पसंद नहीं आया। अमेरिका के प्रस्ताव पर ईरान की सकारात्मक प्रतिक्रिया न मिलने से शांति वार्ता को एक बार फिर झटका लगा है। ट्रंप ने ट्रुथ पर लिखा, मैंने अभी-अभी ईरान के तथाकथित प्रतिनिधियों का जवाब पढ़ा है। मुझे यह पसंद नहीं आया— यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है। हालांकि, राष्ट्रपति ने इस बारे में अधिक जानकारी नहीं दी है। बता दें कि अमेरिका ने शांति वार्ता को फिर से शुरू करने और 10 सप्ताह से चल रहे उस संघर्ष को कम करने के लिए यह प्रस्ताव रखा था। माना जा रहा है कि प्रस्ताव में ईरान की कई प्रमुख मांगे नहीं थी। ईरानी सरकारी टेलीविजन का कहना है कि तेहरान नेतृत्व ने नवीनतम अमेरिकी प्रस्ताव को आत्मसमर्पण के समान माना है। तेहरान ने प्रस्ताव में अमेरिका द्वारा युद्ध क्षतिपूर्ति, होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान की पूर्ण संप्रभुता, प्रतिबंधों की समाप्ति और जब्त की गई ईरानी संपत्तियों की रिहाई को शामिल करने पर जोर दिया है।रिपोर्ट के मुताबिक, प्रस्ताव में अमेरिका से नौसैनिक नाकाबंदी समाप्त करने और ईरानी तेल की बिक्री पर लगे प्रतिबंधों को हटाने का भी आह्वान किया गया है।सूत्रों का कहना है कि तेहरान ने अमेरिका से गारंटी मांगी है कि आगे कोई और हमला नहीं होगा। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी प्रस्ताव में ईरान के परमाणु कार्यक्रम सहित विवादास्पद मुद्दों पर व्यापक बातचीत शुरू होने से पहले लड़ाई समाप्त करने की मांग है। साथ ही, ईरान ने अपने अत्यधिक समृद्ध यूरेनियम भंडार के एक हिस्से को कम करने और शेष सामग्री को किसी तीसरे देश में स्थानांतरित करने का भी सुझाव दिया है।

ऑपरेशन सिंदूर में मिली हार से बौखलाए आर्मी चीफ असीम मुनीर ने उगला जहर, भारत को दी गीदड़भभकी

रावलपिंडी (ए.)। भारत के हाथों 'ऑपरेशन सिंदूर' में मिली करारी हार का दर्द पाकिस्तान आज तक नहीं भूल पाया है। इस ऐतिहासिक सैन्य कार्रवाई को एक साल पूरा होने के मौके पर पाकिस्तानी सेना के प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर की बौखलाहट एक बार फिर दुनिया के सामने आ गई है। रावलपिंडी के जनरल हेडक्वार्टर (GHQ) में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मुनीर ने भारत के खिलाफ जमकर जहर उगला। वायुसेना और नौसेना प्रमुखों की मौजूदगी में मुनीर ने अपनी सेना की गिरती साख बचाने के लिए सरेआम झूठ का पिटारा खोल दिया और अपनी खीझ मिटाने के लिए भारत को खोखली गीदड़भभकी दे डाली।अपने भाषण में असीम मुनीर ने तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करते हुए झूठा आरोप लगाया कि पिछले साल 6 से 10 मई के बीच भारत ने बिना किसी उकसावे के पाकिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन किया था। बौखलाए मुनीर ने आगे शेखी बघारते हुए कहा कि दुश्मनों को यह जान लेना चाहिए कि भविष्य में ऐसी कोई भी कोशिश हुई, तो युद्ध का दायरा सीमित नहीं रहेगा और इसके अंजाम बेहद दर्दनाक होंगे। अपनी हार पर पर्दा डालने के लिए मुनीर ने 2001 के संसद हमले, 2008 के मुंबई हमले और उरी व पुलवामा जैसी आतंकी घटनाओं के बाद भारत की कड़ी जवाबी कार्रवाइयों को भी 'फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन' करार देकर दुनिया को गुमराह करने की नाकाम कोशिश की।

जनगणना एवं जल गंगा संवर्धन अभियान में लाई जाए तेजी - कलेक्टर

पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए नागरिकों एवं संस्थाओं को जागरुक करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

सीहोर(निप्र)। जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर बालागुरू के. ने विभिन्न विभागों के समय-सीमा वाले प्रकरणों तथा सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का तय समय-सीमा में संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान, जनगणना, नेशनल हाईवे एवं रेलवे परियोजनाओं के लिए भू अर्जन, वन मित्र पोर्टल पर वनाधिकार दावों के पंजीयन, कॉलेज प्रवेश प्रक्रिया, स्कूल चले हम अभियान, गेंहू उपार्जन तथा समग्र ई-केवाईसी सहित विभिन्न योजनाओं और अभियानों की प्रगति की समीक्षा की गई। कई कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी और कार्यों में सुधार नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में कलेक्टर बालागुरू के. ने जिले में गेहूं उपार्जन कार्य को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए सभी राजस्व एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसानों के स्लॉट बुकिंग के अनुसार समय पर और सुचारू रूप से खरीदी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्थिति में कोई किसान उपार्जन से वंचित न रहे। कलेक्टर ने उपार्जन केन्द्रों पर सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए कहा कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके साथ ही उन्होंने जिले में चल रहे चना एवं मसूर उपार्जन की भी समीक्षा की। जनगणना कार्य की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने कहा कि यह राष्ट्रीय महत्व का कार्य है, इसलिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी गंभीरता के साथ कार्य करें और निर्धारित समय सीमा में लक्ष्य पूर्ण करें। उन्होंने जनगणना कार्य में गति लाने के सख्त निर्देश भी दिए। जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अभियान की धीमी प्रगति पर असंतोष जताया। उन्होंने निर्देश दिए कि गांव-गांव में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को जल संरक्षण के प्रति प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण समय की आवश्यकता है और इस अभियान को केवल औपचारिकता न मानकर जन आंदोलन के रूप में संचालित किया जाए। अभियान के अंतर्गत जो कार्य पूर्ण हो गए हैं, उन्हें पोर्टल पर भी अपलोड किया जाए। स्कूल-कॉलेजों प्रवेश की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी विद्यार्थियों का स्कूल और कॉलेजों में अनिवार्य रूप से पंजीयन कराया जाए और कोई भी विद्यार्थी शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने अधिक से अधिक विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़ने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार और जनजागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। बैठक में कलेक्टर ने सीमांकन, नामांतरण और बंटवारा सहित लंबित राजस्व प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही नेशनल हाईवे एवं रेलवे परियोजनाओं के लिए भूअर्जन और मुआवजा वितरण की कार्यवाही में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन से जुड़े मामलों में अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा सभी प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण समय सीमा में सुनिश्चित किया जाए। साथ ही लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करने के भी निर्देश दिए।

40 वें दिन सीवन का गहरीकरण भी हुआ और महिला घाट पर स्वच्छता का कार्यक्रम भी चला

सीहोर(निप्र)। सीवन योद्धा और सीवन पुत्र ने मिलकर जिस तरह से सीवन के लिए काम कर रहे हैं वह दिन दूर नहीं जब सीहोर की सीवन अलग ही छवि स्थापित होगी, क्योंकि यह आस्था का एक बहुत बड़ा केंद्र है यहां पर पूरे देश से श्रद्धालु सिवन माँ के दर्शन करने हेतु आते हैं और सीवन योद्धाओं का और सीवन पुत्रों का प्रण की सिवन मां को किसी भी कीमत पर मूल स्वरूप में और मूल उद्धार में देखना है इसीलिए 45 डिग्री तापमान में लगातार सिवन योद्धा और सिवन पुत्र कांब कर रहे हैंइसी बीच प्रदीप चावड़ा ने बताया है कि कुछ दिनों बाद सिवन परिक्रमा का कार्यक्रम रखा गया है यह परिक्रमा 18 किलोमीटर की होगी और इस परिक्रमा के माध्यम से सीवन के प्रति जागरूकता फैलाई जाएगी जिसकी तैयारियां जोरों शोरों से जारी है और इसके पहले और चुनरी चढ़ाओ सिवन पर कार्यक्रम तय हुआ है, इसी के साथ प्रदीप चावड़ा सिवन पुत्र ने बताया कि सिवन पुत्र तथा पुत्री की संख्या 3000 के ऊपर पहुंच चुकी है जल्दी 5000 के आंकड़ों को छू लेंगे इसके बाद 10000 सिवान पुत्र पुत्री का लक्ष्य है।

जल संरक्षण और विकास की दिशा में नगर पालिका का ऐतिहासिक कदम

वार्ड क्रमांक 21 में 23 लाख की लागत से तालाब सौंदर्यीकरण एवं पुनर्जीवन कार्य का भूमि पूजन सम्पन्न

सीहोर(निप्र)। नगर के विकास, पर्यावरण संरक्षण एवं जल संवर्धन को नई दिशा देने की प्रतिबद्धता के साथ आज वार्ड क्रमांक 21 स्थित

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में 23 लाख रुपये की लागत से होने वाले तालाब सौंदर्यीकरण एवं पुनर्जीवन कार्य का भूमि पूजन नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर द्वारा विधि-विधान एवं पूजा-अर्चना के साथ सम्पन्न किया गया।

भूमि पूजन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे और नगर पालिका द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान पूरे क्षेत्र में विकास एवं जनकल्याण के संकल्प के साथ उत्साह का वातावरण देखने को मिला।इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने कहा कि नगर पालिका परिषद शहर के विकास के साथ-साथ जल संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। तालाब हमारी प्राचीन संस्कृति, परंपरा और प्राकृतिक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। बीते वर्षों में लगातार घटते जल स्तर और बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए तालाबों का संरक्षण एवं पुनर्जीवन समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। इसी उद्देश्य को लेकर नगर पालिका परिषद द्वारा शहर के विभिन्न तालाबों को संरक्षित एवं विकसित करने का कार्य प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है।

सीहोर में रोजगार मेला आज

सीहोर(निप्र)। युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए 12 मई को प्रात: 11 बजे सीहोर स्थित महिला आईटीआई संस्थान में युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला आयोजित किया जाएगा। रोजगार मेले में रोजगार विभाग द्वारा स्थानीय, प्रदेश एवं अन्य राज्यों की कंपनियों को आमंत्रित कर युवाओं को रोजगार प्रदान किया जायेगा। रोजगार में मेले में लगभग 16 कंपनियों द्वारा 1610 से अधिक पदों पर युवाओं की भर्ती की जाएगी। इसी प्रकार जिला व्यापार उद्योग केन्द्र द्वारा स्वरोजगार विभागों के स्वरोजगार प्राप्त हितग्राहियों को लाभान्वित कर नये प्रकरण तैयार किये जाएंगे। आईटीआई विभाग द्वारा अप्रेंटिसशिप के लिये युवाओं को चयनित किया जाएगा।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ने भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की शुरुआत में हुए शहीदों को किया याद , दी श्रद्धांजलि

सीहोर (निप्र)। 10 मई 1857 को मेरठ में भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की शुरुआत हुई थी। जिसे सिपाही विद्रोह भी कहां जाता है। उक्त समय भारतीय सैनिकों ने ब्रिटिश सेना के खिलाफ बगावत कर दी और दिल्ली की ओर कूच किया। इस क्रांति का मुख्य कारण चरवी बाले कारतूसों का प्रयोजन था।10 मई 1857 की वह ऐतिहासिक दिन केवल एक सैनिक विद्रोह नहीं थीं, वल्कि भारतीय जनमानस में वर्षों से सुलग रहे असंतोष का विस्फोट था। इस एतिहासिक 10 मई 1857 की कान्ति मेरठ से सुरु करनें वाले देशभक्त वीर गुर्जर धन सिंह कोतवाल सहित असंख्य क्रान्तिकारियों में सभी जातियों से थे, जिनमें अधिकांश राजपूत समाज से थे। सभी क्रान्तिकारियों जिसे क्रांति दिवस भी कहां। इस दिन को अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा जिला सीहोर द्वारा सभी क्रांति कारियों को याद करते हुए दो मिनट का मोन धारण करते हुए श्रद्धांजलि, नमन वंदन किया। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के लगभग 36 सक्रिय सदस्य प्रति माह वीसी का आयोजन इस आशय के साथ करते हैं कि समाज के यह व्यक्ति मिलकर सामाजिक गतिविधियों ,एक दूसरे से पारस्परिक संपर्क होता रहे।

सीहोर में भ्रष्टाचार के विरोध में कांग्रेस नेता का अनूठा प्रदर्शन

भ्रष्टाचार की निशानी जर्जर सड़क पर बैठकर कराया मुंडन

गड़बड़ी करने के दोषियों पर जल्द हो कठोर कार्रवाई - पंकज शर्मा

सीहोर (निप्र)। सीहोर नगर अपने अनूठे और अनोखे कार्यों के लिए जाना जाता है और यहां नित नए कार्य होते रहते हैं। इसी कड़ी में सीहोर में भ्रष्टाचार का अनूठे तरीके से विरोध करने का मामला सामने आया है। यहां भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी एक जर्जर सड़क का अनोखा विरोध करने का एक मामला सुर्खियों में है, जिसमें प्रदेश की पहली एफडीआर तकनीक से बनी सीहोर-श्यामपुर सड़क पर कांग्रेस नेता पंकज शर्मा ने मुंडन कराकर इसके निर्माण में हुए भ्रष्टाचार का विरोध किया। ज्ञातव्य है कि सीहोर से श्यामपुर तक लगभग 28 किमी तक बनी 30 करोड़ की लागत वाली इस सड़क के निर्माण के समय इसकी गुणवत्ता को लेकर बड़े बड़े दावे किए गए थे, तथा कहा गया था कि इस तकनीक से बनी सड़क में लागत कम आती है और इसकी उम्र आम सड़क से दुगुनी होती है, लेकिन ये अपने निर्माण के एक साल में जगह जगह से उखड़कर पूरी तरह नष्ट हो गई, जिससे इसके निर्माण में जमकर किए गए भ्रष्टाचार की कहानी खुद ब खुद बयां हो रही है। पंकज शर्मा ने बताया कि सीहोर से श्यामपुर तक जाने वाली ये सड़क सीहोर के शहरी और ग्रामीण इलाके

को आपस में जोड़ती है तथा ये जिले की एक प्रमुख सड़क है, जिसका उपयोग लोग शाजापुर और राजगढ़ जाने के लिए प्रमुखता से करते हैं। यहां से प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोग आवागमन करते हैं, ऐसे में इस सड़क के जर्जर होने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है और कई लोग इस जर्जर सड़क पर दुर्घटना का शिकार हो चुके हैं और अपने वाहन से गिरकर गंभीर रूप से घायल भी हो चुके हैं, लेकिन इसके निर्माण में भारी गड़बड़ी करने वालों पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है,

जबकि ये सड़क भारी गड़बड़ी तथा भ्रष्टाचार का एक जीता जागता प्रमाण है। पंकज शर्मा ने कहा कि पूर्व में भी हमारे द्वारा इस गुणवत्ताहीन सड़क का कई बार विरोध किया गया था, लेकिन सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार के दोषियों पर कार्रवाई ना होना दुर्भाग्यपूर्ण और आश्चर्यजनक है तथा इसमें बड़े लोगों की मिलीभगत की तरफ इशारा करता है, उन्होंने जिला प्रशासन से इस मामले में सख्त रुख अपनाकर दोषियों को सजा देने की मांग की है तथा ऐसा ना होने पर कांग्रेस पार्टी द्वारा उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दी है। इस सड़क पर विरोध प्रदर्शन करने वालों में प्रमुख रूप से सतीश दरोठिया, जय सिंह भारती, राजेश रैकवाल, अरुण मालवीय, हर्ष गुप्ता आदि कांग्रेसजन शामिल हैं।

कुबेरेश्वरधाम में उमड़ा आस्था का सैलाब, नियमित रुप से किया जा रहा निशुल्क भंडारे का आयोजन

सीहोर(निप्र)। जिला मुख्यालय स्थित कुबेरेश्वरधाम पर नियमित रूप से निशुल्क भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। यहां पर हर रोज हजारों की संख्या में देश-विदेश से श्रद्धालु आते है और यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के मार्गदर्शन में दुनिया की सबसे बड़ी भोजनशाला से यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं को निशुल्क भोजन प्रसादी का वितरण किया जा रहा है। इसके अलावा मुरली मनोहर मंदिर में सुबह और शाम को पूजा-अर्चना और शाम को बाबा की आरती की जाती है। विठलेश सेवा समिति की ओर से पंडित समीर शुक्ला और पंडित विनय मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि मां अन्नपूर्णा की असीम कृपा से श्री कुबेरेश्वर धाम स्थित सीता रसोई में आज भी सेवा का पावन कार्य निरंतर जारी है। यहां प्रतिदिन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ आने वाले सभी श्रद्धालुओं को भोजन प्रसादी प्रेमपूर्वक वितरित की जा रही है। दूर-दूर से पधारे भक्त माँ अन्नपूर्णा के आशीर्वाद स्वरूप प्रसाद ग्रहण कर स्वयं को धन्य महसूस कर रहे हैं। विठ्ठलेश सेवा समिति द्वारा संचालित यह सेवा मां की कृपा से निरंतर चल रही है, जिससे हजारों भक्त प्रतिदिन प्रसादी का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

बाबा अमरनाथ सेवा मंडल ने सौंपा ज्ञापन, अमरनाथ यात्रियों के लिए मालवा में अतिरिक्त कोच बढ़ाने की मांग

सीहोर(निप्र)। बाबा अमरनाथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए बाबा अमरनाथ सेवा मंडल गल्ला मंडी सीहोर के सदस्यों ने पश्चिम रेलवे डीआरएम रतलाम के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मालवा

एक्सप्रेस में यात्रियों की लंबी वेटिंग लिस्ट का हवाला देते हुए अतिरिक्त कोच लगाए जाने की मांग की गई। मंडल के सदस्य रामभरोस यादव ने बताया कि हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना होते हैं, लेकिन ट्रेनों में सीट उपलब्ध नहीं होने से यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मालवा एक्सप्रेस में लगातार लंबी वेटिंग रहने के कारण कई श्रद्धालुओं को यात्रा करने में कठिनाई हो रही है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि यात्रा अवधि के दौरान मालवा एक्सप्रेस में अतिरिक्त कोच जोड़े जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम और सुरक्षित यात्रा सुविधा मिल सके। इस दौरान मंडल के कई सदस्य बडी संख्या में मौजूद रहे।

17 मई को बड़ा बाजार में भव्य भंडारे का आयोजन

सीहोर(निप्र)। हर साल की तरह इस साल भी शहर के बड़ा बाजार स्थित पिपलेश्वर महादेव मंदिर समिति के तत्वाधान में आगामी 17 मई को भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर भंडारा समिति का अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी राजेश मोहन शर्मा को मनोनीत किया गया इस अवसर पर समिति द्वारा उनका स्वागत सम्मान कर उन्हें बधाई शुभकामनाएं दी गई।

अवधपुरी की सबसे बड़ी चोरी: 15 दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली, खाकी के घेरे में बेखौफ रहे चोर

सीहोर(निप्र)। शहर के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले पॉश इलाके अवधपुरी कॉलोनी में हुई 32 लाख की सनसनीखेज चोरी को आज 15 दिन बीत चुके हैं, लेकिन पुलिस के हाथ अब तक खाली हैं। बिल्डिंग कॉन्ट्रैक्टर दीपक जाधव के घर को निशाना बनाने वाले शातिर चोरों का सुराग लगाने में सीहोर पुलिस पूरी तरह नाकाम साबित हुई है।

यह मामला इसलिए भी पुलिस की कार्यप्रणाली पर गहरा दाग है क्योंकि जिस मकान में चोरी हुई, उसके तीनों ओर पुलिसकर्मियों के आवास हैं। खाकी की मौजूदगी के बावजूद चोरों ने जिस इत्मीनान से वारदात को अंजाम दिया, उसने शहर की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है।

घटनाक्रम पर एक नजर

तारीख: 24 जून को परिवार महाराष्ट्र गया था, 27 जून को चोरी का खुलासा हुआ।

नुकसान: लगभग 32 लाख रुपये (7 लाख नकद और भारी मात्रा में सोने-चांदी के जेवरात)।

चोरी गया सामान: रानी हार (10 लाख), मंगलसूत्र, सोने की कटोरी, 20 सोने के मोती, चांदी के सिक्के और भगवान के बर्तन।

15 दिन की शून्य उपलब्धि

वारदात के बाद एफएसएल (FSL) टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए थे और थाना प्रभारी रविन्द्र यादव ने जल्द खुलासे का दावा किया था। लेकिन दो सप्ताह से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है।

पड़ोसियों का सवाल: अगर पुलिसकर्मियों के पड़ोस में रहने वाले लोग सुरक्षित नहीं हैं और 15 दिन में पुलिस एक सुराग तक नहीं ढूंढ पाई, तो आम जनता अपनी सुरक्षा के लिए किसके पास जाए?

खंगाले जा रहे CCTV, पर नतीजा सिफर

पुलिस सूत्रों के अनुसार, कॉलोनी और आसपास के रास्तों के दर्जनों सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए हैं और कई संदिग्धों से पूछताछ भी की गई है।

हालांकि, तकनीकी साक्ष्य और जमीनी मुखबिरी के बावजूद आरोपियों का कोई ठोस लोकेशन या पहचान सामने नहीं आ पाई है। अवधपुरी के रहवासियों में इस बात को लेकर गहरा आक्रोश है कि शहर के हृदय स्थल में इतनी बड़ी वारदात होने के बावजूद जांच की गति धीमी क्यों है? लाखों के जेवरात और नकदी गंवा चुका जाधव परिवार अब न्याय की उम्मीद में थाने के चक्कर काट रहा है, लेकिन आश्वासन के अलावा उन्हें कुछ हासिल नहीं हुआ है।

वर्तमान स्थिति: पुलिस का दावा है कि टीमें लगातार काम कर रही हैं, लेकिन धरातल पर अब तक कोई बड़ी सफलता नहीं मिली है। 32 लाख की इस बड़ी सेंधमारी ने अब पुलिस प्रशासन की साख को दांव पर लगा दिया है।

सीहोर के प्राइवेट अस्पताल में इंजेक्शन पर सवाल, परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाया

सीहोर(निप्र)। जिला मुख्यालय के एक मां गायत्री हॉस्पिटल में इलाज के दौरान एक महिला मयूरी राठौर की मौत के बाद सोमवार को परिजनों ने हंगामा किया। परिजनों ने डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही और गलत इंजेक्शन देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजनों और क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन और सीएमएचओ को ज्ञापन सौंपकर इस मामले की जांच कर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मयूरी के परिजनों ने मीडिया को बताया कि महिला को डिलीवरी के लिए अस्पताल लाया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पताल में एक इंजेक्शन लगाने के 5-7 मिनट बाद ही महिला की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी और उनकी मौत हो गई। पति मनीष राठौर का यह भी कहना है कि जब उन्होंने डॉक्टर से स्थिति के बारे में जानना चाहा, तो उन्हें संतोषजनक जानकारी नहीं दी गई। जानकारी के अनुसार, मृतका मयूरी एक एएनएम थीं, जिन्होंने कुछ घंटे पहले ही एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया था।

बीएसआई पर विमला देवी स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में टीम यामनी ने टीम अंजली को 48 रन से हराया

अर्थव ने खेली 36 रन की पारी, शिवांश ने हासिल किए 4 विकेट

सीहोर (निप्र)। शहर के बीएसआई मैदान पर प्रमोद पटेल क्रिकेट अकादमी के सहयोग से सीनियर खिलाड़ी आदर्श राय परिवार के तत्वाधान में खेली जा रही श्रीमती विमला देवी राय जूनियर क्रिकेट प्रतियोगिता में टीम यामनी ने टीम अंजली को 48 रन से हराया। इस मैच में अर्थव व्यास ने

36 रन और टीम के गेंदबाज शिवांश ने 4 विकेट और तनिष्क भार्गव ने 3 विकेट हासिल किए। इस मौके पर एसोसिएशन के सचिव अतुल तिवारी, कोषाध्यक्ष वीरु वर्मा, मनोज दीक्षित मामा, पीपीसीए के कोच आदर्श राय, अतुल त्रिवेदी, विकास सास्ता, आशीष मेवाड़ा, हितेश केसरिया और दीपक तोमर आदि शामिल है। बीएसआई मैदान पर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम यामनी ने 19.1 ओवर में 10 विकेट खोकर 124 रन बनाए थे। इसमें अर्थव शर्मा ने 12 रन, अर्थव व्यास ने 36 रन, आयन खान ने 11 रन, जय प्रकाश वर्मा ने 17 रन बनाए थे। वहीं टीम अंजली की ओर से गेंदबाजी करते हुए अनंत मेवाड़ा ने 3 विकेट, ध्रुव अग्रवाल, दक्ष अग्रवाल ने 2-2 विकेट और नमन पटेल ने 1 विकेट हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम अंजली 14.5 ओवर में 10 विकेट खोकर 76 रन ही बनाए थे, इसमें अनंत मेवाड़ा, नीरज ने 15 रन बनाए। इधर टीम यामनी की ओर से शिवांश ने 4 विकेट, तनिष्क भार्गव 3 विकेट के अलावा आयन खान और आयुष ने 1-1 विकेट हासिल किया।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com